सुविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, बल्कि माथे के पसीने में होती है।

दैनिक रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 186 ■ मंडला, सोमवार 21 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

इमरान खान की बहन लाहौर से गिरफ्तार:भाई की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने वाली थीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले ढळकके प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं। इससे एक दिन पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ढक्कर के डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई। 18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था।

प्रदर्शन से पहले PTI कार्यकर्ताओं की भी गिरफ्तारी- अलीमा खानुम की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस चार ढळककार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले चुकी है। डॉन के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन पर दंगा करने, सरकारी काम में रुकावट डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं। ढळकने 27 सितंबर को राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पार्टी का कहना है कि इस प्रदर्शन का मुख्य मकसद इमरान खान की रिहाई की मांग करना है। ढळकअध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान इसे पहले ही शांतिपूर्ण मार्च बता चुके हैं।

प्रदर्शन के पहले इस्लामाबाद में सुरक्षा बढ़ी- प्रदर्शन को देखते हुए इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। डॉन के मुताबिक, पुलिस और प्रशासन ने शहर के आने-जाने वाले रास्तों और संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। प्रदर्शन से जुड़ी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

पिछले महीने बहन से मिले थे इमरान खान

अगस्त 2026 में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में उनसे मुलाकात की थी। नोरीन करीब 9 महीने बाद इमरान से मिली थीं। करीब 15 मिनट की मुलाकात में उन्होंने इमरान की सेहत के बारे में जानकारी ली और उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश



की जानकारी दी, जिसमें इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया था। उस समय नोरीन, अलीमा खानुम और उजमा खान तीनों अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन पुलिस ने सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने की अनुमति दी थी।

अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

तोशाखाना क्या है और इमरान खान का मामला क्या है? तोशाखाना पाकिस्तान सरकार का सरकारी भंडार है। यहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और दूसरे सरकारी अधिकारियों को विदेशों से मिले कीमती तोहफे जमा किए जाते हैं। इनमें घड़ियां, गहने, पेंटिंग जैसी चीजें शामिल होती हैं।

इमरान खान से जुड़े विवाद

इमरान खान 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्हें कई महंगे विदेशी तोहफे मिले। आरोप है कि कुछ तोहफों की जानकारी और उनकी बिक्री से मिली रकम की पूरी जानकारी नहीं दी गई। इससे जुड़े तीन मामले

1. तोहफों की जानकारी छिपाने का आरोप

2022 में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान को तोहफों की जानकारी गलत तरीके से घोषित करने का दोषी माना और उन्हें अयोग्य ठहराया।

2. तोशाखाना का पहला मामला

इमरान पर आरोप था कि उन्होंने कुछ महंगे तोहफे तय कीमत देकर अपने पास रखे और बाद में बेच दिए। अगस्त 2023 में उन्हें 3 साल की सजा सुनाई गई। बाद में सजा निलंबित हो गई।

3. तोशाखाना-2 मामला

इसमें 2021 में सऊदी क्राउन प्रिंस से मिले बुल्गारी ज्वेलरी सेट का मामला है। अभियोजन के मुताबिक इसकी कीमत करीब 8 करोड़ पाकिस्तानी रुपए थी, जबकि इसे करीब 29 लाख रुपए में रखने का आरोप है।

इमरान खान के प्रमुख केस की वर्तमान स्थिति

. तोशाखाना केस

2023 में इमरान खान को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा हुई थी। बाद में यह सजा निलंबित हुई। हालांकि, बाद में तोशाखाना से जुड़े एक अन्य मामले में दिसंबर 2025 में इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा सुनाई गई। यह सजा महंगे सरकारी तोहफों की कथित कम कीमत पर खरीद से जुड़े मामले में है।

भारत ने एशियन गेम्स के पहले दिन जीते दो सिल्वर, एलावेनिल वलारिवन का डबल मेडल



नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने पहले ही दिन पदकों का खाता खोलते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए। दोनों पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में आए। एलावेनिल वलारिवन ने टीम स्पर्धा के बाद व्यक्तिगत मुकाबले में भी सिल्वर जीतकर एक ही दिन दो पदक हासिल किए। इसके अलावा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल के सेमीफाइनल में पहुंचने से भारत का एक और पदक पक्का हो गया है। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदरसा विनोद की भारतीय टीम ने 1898 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। चीन ने 1904.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम ने मुकाबले में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और देश को प्रतियोगिता का पहला पदक दिलाया। इसके बाद एलावेनिल ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर जीता। उन्होंने 252.4 अंक हासिल किए और जापान की हिनाता ताइची से महज 0.6 अंक पीछे रहीं। हिनाता ने 253.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की बान ह्यो-जिन को कांस्य पदक मिला। एलावेनिल के लिए यह दिन खास रहा। उन्होंने पहले टीम स्पर्धा में पदक जीता और इसके बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में भी पोडियम पर जगह बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर एलावेनिल को बधाई दी और इसे एक ही दिन में उनका दूसरा पदक बताया। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भी भारत के लिए पदक पक्का हो गया है। महिलाओं की ट्रेडिशनल 60 किलोग्राम वर्ग में सुचिका तारियाल ने मंगोलिया की अल्तनचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ सुचिका का पदक सुनिश्चित हो गया है। पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों ने अन्य खेलों में भी मुकाबले किए। महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराकर शानदार शुरूआत की, जबकि टेबल टेनिस में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 3-0 से शिकस्त दी। दूसरी ओर पुरुष टेबल टेनिस टीम को ईरान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए शूटिंग में दिन की शुरूआत दो रजत पदकों के साथ हुई। एलावेनिल के दोहरे पदक और सुचिका के सुनिश्चित पदक ने एशियन गेम्स के शुरूआती दिन भारतीय अभियान को मजबूत शुरूआत दी। प्रतियोगिता में अभी कई स्पर्धाएं बाकी हैं और भारतीय दल की नजरें अगले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने पर रहेंगी।

युवती के दोनों पैर कटे; काम खत्म कर लौट रहे थे 19 मजदूर

मजदूरों से भरी ट्रॉली में ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर:6 साल की बच्ची समेत 3 की मौत



मंदसौर। मंदसौर के दलोदा थाना क्षेत्र में लखमा खेड़ी फंटे के पास शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 12:15 बजे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली सवार 6 साल की बच्ची और 45 साल की महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 8 वर्षीय सदैव पिता अबू लाल भील की रतलाम मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। कई मजदूर घायल हुए हैं। इनमें 18 साल की युवती के दोनों पैर नीचे से कट गए, जबकि तीन अन्य गंभीर घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया है और ट्रक व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

रेलवे का काम खत्म कर उज्जैन जा रहे थे मजदूर- घायल मजदूरों के मुताबिक, वे रतलाम जिले के रावटी और आसपास के गांवों के रहने वाले हैं। सभी मंदसौर में रेलवे के काम में मजदूरी कर रहे थे। शनिवार रात करीब 11:30 बजे काम खत्म करने के बाद मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली से उज्जैन के लिए निकले थे। लखमा खेड़ी फंटे के पास पीछे से आए ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉली पलट गई और उसमें बैठे मजदूर सड़क पर जा गिरे। उनका सामान भी सड़क पर बिखर गया। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने बताया कि सूचना रात करीब 12:30 बजे मिली थी। मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेलवे के मजदूर प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

18 साल की युवती के दोनों पैर कटे

हादसे में कल्पना पिता विनोद भील (18), निवासी रानीसिंह, गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनके दोनों पैर नीचे से कट गए। उन्हें रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इसके अलावा 4 साल के बच्चे के पैरों में फ्रैक्चर हुआ है। रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जिला अस्पताल में भर्ती चंचल पिता संजय भील (18) के पैर में फ्रैक्चर के साथ सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है। नीरू पिता तेर सिंह भील (14) की कमर में फ्रैक्चर है। शंकर पिता गलिया भील (26), सविता पति राहुल भील (20) और सोनू पति अब्बू लाल भील (28) का भी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अन्य घायलों में राहुल (23), सुरपाल (15), लीला (26), आशा (5), गोपाल (18), मनीष (19), पूजा (10), करण (7) और पप्पूडी (30) शामिल हैं।

भाजपा बोली- कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी

भोपाल। राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम ह्यछात्रों की गूंजह्ल पर विवाद हो गया है। BJP ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैंह्व रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल ढट मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने BJP और फर पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं।

'मुंबई में BMW फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी, 3 छात्रों की मौत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5.20 बजे तेज रफ्तार इटह डिवाइडर से टकराकर फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा लोटस जेट्टी के पास, लाला लाजपत राय कॉलेज के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार इटह मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार के कारण चालक के वाहन से नियंत्रण खोने की बात सामने आई है। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक आदित्य ओसवाल (23) को नायर अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार चारों छात्र थे और हादसे के बाद सभी को नायर अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक इटह मरीन ड्राइव से हाजी अली की दिशा में जा रही थी। लोटस जेट्टी के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकराने के बाद सड़क की बाहरी दीवार को तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है,



जिसमें तेज रफ्तार कार फ्लाईओवर से नीचे गिरती दिखाई दे रही है। पुलिस ने हादसे की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन दल मौके पर पहुंचे। दुर्घटना में इटह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर वाहन की जांच की और आवश्यक नमूने जुटाए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय वाहन की वास्तविक गति कितनी थी और दुर्घटना की अन्य परिस्थितियां क्या थीं। पुलिस के अनुसार मृतकों में शनाय गज्जल अहमदाबाद का रहने वाला था और मुंबई में पीजी में रह रहा था। BMW उसके परिवार की बताई गई है। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक और घायल आदित्य ओसवाल प्रबंधन की पढ़ाई कर रहे थे। घटना की जानकारी उनके परिजनों को दे दी गई है। मुंबई का कोस्टल रोड करीब 10.58 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड मार्ग है, जो दक्षिण मुंबई में मरीन ड्राइव को बांद्रा-वर्ली सी लिंक के वर्ली छोर से जोड़ता है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना के कारणों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और हादसे की पूरी परिस्थितियां जांच के बाद ही स्पष्ट होंगी।

सितंबर के आखिरी सप्ताह में होगी तेज बारिश : भोपाल में रात को तेज बारिश हुई

भोपाल। रविवार रात को राजधानी भोपाल में तेज बारिश हुई। बारिश का असर कहीं-कहीं देखने को मिला। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आखिरी दौर में मध्य प्रदेश में तेज बारिश की झड़ी लग सकती है। मौसम केंद्र (क्टऊ) के मुताबिक, उत्तर अंडमान सागर में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) सक्रिय हो रहा है। इसका एमपी में भी असर हो सकता है। अगले 4 दिन भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत अन्य जिलों में भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि नया सिस्टम कितना स्ट्रॉन्ग रहता है, यह उसकी दिशा और तीव्रता तय करेंगे। 23 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है लेकिन सिस्टम की एक्टिविटी के चलते अनुमान में बदलाव भी हो सकता है। इससे पहले भोपाल समेत आसपास के इलाकों में बारिश के बाद भदभदा का एक और कलियासोत डैम के दो गेट खोल दिए गए। ब्यावरा में लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए। अजनार नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा, जिससे इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए। आगर जिले में नलखेड़ा समेत कई जगहों पर भारी बारिश रिकॉर्ड की गई। मां बगलामुखी मंदिर के सामने से गुजरे नाले में एक कार बह गई। इससे 8 लोगों की मौत हो गई। शहडोल में आकाशीय बिजली गिरने से 2 की जान चली गई।

रूस में चुनाव के आखिरी दिन 1600 ड्रोन से हमला

मास्को। मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी में लगी आग से उठता धुआं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को यूक्रेन के बड़े ड्रोन हमले में रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे। रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गांधी सागर में छोड़ी मादा चीता:नाम दिया राधा; अभयारण्य देश का दूसरा बड़ा चीता घर बना



गरोठ। मध्यप्रदेश के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में चीता पुनर्स्थापन परियोजना के तहत नई मादा चीता लाई गई है। चीता को कूनो नेशनल पार्क से गांधी सागर स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इसे गांधी सागर के सॉफ्ट-रिलीज बाड़े में छोड़ा। उन्होंने इसका नाम राधा रखा। मादा चीता के आने के बाद गांधी सागर में दो नर और दो मादा समेत कुल चार चीते हो जाएंगे। इसे कूनों के बाद भारत में चीतों के दूसरे आवास के विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है।

गांधी सागर में पहले से तीन चीते

गांधी सागर में पहले से ह्यप्रभासह्ल और ह्यपावकह्ल नाम के नर चीते और ह्यधीराह्ल नाम की मादा चीता मौजूद हैं। नई मादा चीता गांधी सागर में पहुंचने वाली दूसरी मादा चीता होगी। अब नए चीते के आने से क्षेत्र में चीतों का कुनबा और मजबूत होगा।

वनकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

चीता प्रबंधन के लिए स्थानीय वनकर्मियों और वन्यजीव गाइडों को प्रशिक्षण दिया गया है। गांधी सागर को कूनो के साथ चीता संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए विकसित किए जा रहे प्रमुख आवासों में शामिल किया गया है। परियोजना के विस्तार से क्षेत्र में वन्यजीव पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना जताई जा रही है। इससे गाइड, होमस्टे और परिवहन जैसी स्थानीय सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ

संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

गणेश उत्सव की सड़कों पर दिखने लगी भक्तों की भीड़

पुलिस ने बढाई चौकसी, बल तैनात, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, डीएसबी सक्रिय







दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गणेश उत्सव पर शहर की सड़कों पर गणेश प्रतिमाओं और आकर्षक सजावट देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। परिवार के साथ निकले श्रद्धालुओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में विराजित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन किए और सजावट देखी। उत्सव के छठे दिन भी प्रमुख बाजारों, मार्गों और चिन्हित कॉलोनियों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने शहर और देहात के थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में चौकस रहने के निर्देश दिए हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं और युवतियों के साथ धक्का-मुक्की, चोरी या लूट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधिकारी और कर्मचारी लगातार क्षेत्र में मौजूद रहेंगे। प्रमुख बाजारों और गणेश प्रतिमा स्थलों पर पुलिसकर्मी वर्दी के साथ-साथ सिविल ड्रेस में भी तैनात किए जा रहे हैं।

पुलिस कुछ चिन्हित क्षेत्रों में गोपनीय तरीके से सीसीटीवी कैमरे भी लगा रही है। इन कैमरों से मिलने वाले फुटेज की निगरानी पुलिस कंट्रोल रूम से की जाएगी। भीड़ में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ पुलिस का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। किसी संदिग्ध या अवांछित व्यक्ति के दिखाई देने पर पुलिस तत्काल उसे रोककर पूछताछ करेगी और आवश्यकता के अनुसार थाने ले जाएगी।

शहर में लार्डगंज, कोतवाली, मालवीय चौक, गढ़ा, ग्वारीघाट रोड, घमापुर, बेलबाग, रांझी, विजय नगर, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा, गढ़ा फाटक, गोरखपुर, अधारताल और सदर सहित कई क्षेत्रों में गणेश उत्सव के दौरान बड़ी भीड़ पहुंचती है। पिछले वर्षों में भी पर्व के दौरान महिलाओं के साथ लूट और पर्स चोरी जैसी शिकायतें पुलिस तक पहुंची थीं। इसे देखते हुए इस बार पुलिस अधीक्षक ने थाना बल के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस का विशेष ध्यान चोर और लुटेरों पर रहेगा। शहर से लेकर देहात तक थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल मार्च करेंगे और गणेश समितियों के सदस्यों से संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेंगे। रात आठ से 12 बजे तक थाना प्रभारियों के साथ सीएसपी और एएसपी स्तर के अधिकारी भी क्षेत्रों में भ्रमण करते रहेंगे। इस दौरान पुलिस भीड़ वाले स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखेगी। गणेश उत्सव के दौरान महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए महिला पुलिस बल की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। पुलिस के अनुसार भीड़ में महिलाओं और बच्चों की संख्या अधिक रहती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था में अधिक से अधिक महिला पुलिसकर्मियों को लगाया जा रहा है। महिला पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में भीड़ के बीच मौजूद रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करेंगी।

भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए यातायात पुलिस की विशेष टीम भी बनाई गई है। यातायात पुलिस थाना पुलिस के सहयोग से प्रमुख भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करेगी। आवश्यकता के अनुसार कुछ क्षेत्रों में चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। इसके अलावा गलत पार्किंग करने वाले वाहनों पर भी नजर रखी जाएगी, ताकि गणेश प्रतिमाओं के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। पुलिस अधिकारियों ने गणेश समितियों से भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। प्रतिमा स्थलों और आसपास भीड़ बढ़ने पर समिति के सदस्य पुलिस को तत्काल सूचना देंगे। पुलिस बल की तैनाती, पैदल गश्त, सिविल ड्रेस में निगरानी, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और यातायात व्यवस्था के जरिए गणेश उत्सव के दौरान शहर में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है।

जबलपुर में आधी रात पुलिस का बड़ा कॉम्बिंग ऑपरेशन, वर्षों से चकमा दे रहे वारंटियों पर शिकंजा; 225 वारंट तामील

दैनिक रेवांचल टाइम्स ब्ल जबलपुर। शहर और जिले में अपराधों की रोकथाम तथा लंबे समय से फरार आरोपियों और वारंटियों की धरपकड़ के लिए जबलपुर पुलिस ने शनिवार रात से रविवार तड़के तक व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर अलग-अलग पुलिस टीमों ने जिलेभर में एक साथ दबिश देकर कुल 225 वारंट तामील किए।



रातभर चला पुलिस का अभियान

पुलिस के अनुसार कार्रवाई 19 सितंबर की रात 9 बजे से 20 सितंबर तड़के 2 बजे तक चली। इस दौरान लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई।

110 गैर जमानती और 66 गिरफ्तारी वारंट तामील

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने 110 गैर जमानती वारंट तामील किए। इसके अलावा 66 गिरफ्तारी वारंट और 49 जमानती वारंट भी तामील किए गए। इस तरह अभियान में कुल 225 वारंटों की तामीली की गई। पुलिस के मुताबिक लंबे समय से फरार आरोपियों को गिरफ्त में लेकर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों में वारंटियों की धरपकड़ के साथ आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था।

थानेवार बनाई गई विशेष पुलिस टीमें

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शहर और देहात के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। कई टीमों की कमान संबंधित थाना प्रभारियों ने संभाली, जबकि अन्य टीमों में उप निरीक्षक और सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई।

रिकॉर्ड और संभावित ठिकानों के आधार पर दबिश

पुलिस टीमों ने वारंटियों के पुराने रिकॉर्ड, संभावित ठिकानों और उपलब्ध पुलिस जानकारी के आधार पर कार्रवाई की। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ पुलिस टीमें सक्रिय रहीं।

वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में चला ऑपरेशन

कॉम्बिंग गश्त अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. आयुष जाखड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 पल्लवी शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-4 अंजना तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सूर्यकांत शर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात अखिलेश तिवारी सहित नगर पुलिस अधीक्षकों, उप पुलिस अधीक्षकों और एसडीओपी के मार्गदर्शन में चलाया गया। समस्त थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ देर रात तक गश्त और दबिश की कार्रवाई की।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखानों पर भी निगरानी

कॉम्बिंग गश्त केवल वारंटियों की धरपकड़ तक सीमित नहीं रही। पुलिस टीमों ने सक्रिय गुंडे-बदमाशों की भी जांच की और देर रात सड़कों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी।

रेलवे स्टेशन
बस स्टैंड
मुसाफिरखाने

इन स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई। पुलिस ने उन क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाई जहां देर रात संदिग्ध गतिविधियों की संभावना रहती है।

ट्रेन के स्लीपर कोच से बैग चोरी करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार, पावर बैंक और पेन ड्राइव बरामद



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रेलवे यात्रियों के सामान की चोरी के मामले में जीआरपी थाना जबलपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के सामान में शामिल शाओमी कंपनी का पावर बैंक और दो पेन ड्राइव बरामद की हैं। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 3 हजार रुपये बताई गई है।

अपराध क्रमांक 161/2026 में थी तलाश

जीआरपी थाना जबलपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 161/2026 में बीएनएस की धारा 305(उ) के तहत हर्ष खंगार, पिता बलराम खंगार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम रजवई, थाना मझौली, जिला जबलपुर की तलाश की जा रही थी। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से आरोपी फरार था और उसकी लगातार तलाश की जा रही थी।

19 सितंबर को पुलिस के हाथ लगा आरोपी

पुलिस के मुताबिक 19 सितंबर 2026 को आरोपी हर्ष खंगार को दस्तयाब कर पूछताछ की गई। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने करीब छह माह पूर्व कटनी से देवरी जाते समय कटनी-भुसावल पैसेंजर ट्रेन के स्लीपर कोच से एक पीठू बैग चोरी करने की बात स्वीकार की।

बैग में टैबलेट, नगदी और इलेक्ट्रॉनिक सामान

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चोरी किए गए बैग में एक टैबलेट, पावर बैंक, दो पेन ड्राइव, 8 हजार रुपये नकद, एटीएम कार्ड और कपड़े रखे हुए थे। आरोपी के कथन के मुताबिक उसने चोरी किया गया टैबलेट करीब 4 हजार रुपये में बेच दिया था, जबकि कुछ अन्य सामान अपने पास रखा हुआ था।

पुलिस ने क्या किया बरामद

काले रंग का शाओमी कंपनी का पावर बैंक दो सिल्वर रंग की पेन ड्राइव बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 3,000 आरोपी की निशानदेही और उसके कब्जे से पुलिस ने उक्त सामान बरामद कर विधिवत जब्त कर लिया है। पुलिस जांच के दौरान आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आने की बात कही गई है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

जीआरपी टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका

जीआरपी पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक क्रमांक 22 संतोष कुमार चौबे, सहायक उपनिरीक्षक नरेश चौधरी, आरक्षक भूपाल सिंह तथा प्रधान आरक्षक हरस्वरूप शर्मा (आरआईबी) और रेल रक्षा समिति के सदस्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर में पूरा मामला

कटनी-भुसावल पैसेंजर के स्लीपर कोच से बैग चोरी का आरोप आरोपी की उम्र 19 वर्ष 19 सितंबर 2026 को आरोपी दस्तयाब पावर बैंक और दो पेन ड्राइव बरामद बरामद सामान की कीमत करीब 3 हजार आरोपी को न्यायालय के समक्ष किया गया पेश यात्रियों के सामान की सुरक्षा बड़ी चुनौती रेलवे में यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाएं यात्रियों की सुरक्षा और भरोसे से सीधे जुड़ी होती हैं। ऐसे मामलों में संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी और त्वरित पुलिस कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस मामले में आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी के सामान की बरामदगी के बाद जीआरपी द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप में सूर्या जायसवाल का शानदार प्रदर्शन, दो स्वर्ण समेत जीते चार पदक

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। भोपाल में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय मध्यप्रदेश वुशू चैंपियनशिप में जबलपुर के उभरते खिलाड़ी सूर्या जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में सूर्या ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक–दो स्वर्ण और दो रजत अपने नाम किए।



दो गोल्ड, दो सिल्वर– राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एक साथ चार पदक हासिल कर सूर्या जायसवाल ने जबलपुर के खेल जगत को गौरवान्वित किया।

पदाधिकारियों ने किया सम्मानित– सूर्या की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश वुशू संघ के अध्यक्ष एवं आईपीएस अधिकारी जयदीप सिंह, खेल विभाग के संयुक्त संचालक बी.एस. यादव तथा संघ के सचिव मनोज गुप्ता ने उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया। पदाधिकारियों ने सूर्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी शुभकामनाएं दीं।

मेहनत और अभ्यास का मिला परिणाम– राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एक साथ चार पदक हासिल करना सूर्या की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है।

प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों ने दी बधाई– सूर्या के कोच दिव्यांश सहित मनोज गुप्ता, नितिन भाटिया, प्रदीप परिहार, सुरेंद्र सिंह एवं मनीष रजक ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

जबलपुर का बढ़ाया गौरव– सूर्या जायसवाल की इस उपलब्धि ने न केवल परिवार और प्रशिक्षकों का गौरव बढ़ाया, बल्कि जबलपुर के खेल जगत में भी उत्साह का माहौल बना दिया है।

महिला से सोने की चेन और मंगलसूत्र लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गढ़ा थाना क्षेत्र में जन्मदिन की पार्टी से लौट रही महिला से चाकू की नोक पर सोने की चेन और मंगलसूत्र लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया सोने का चेन और मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि 11 सितंबर को आरती ठाकुर (37), निवासी न्यू शास्त्री नगर तिलवारा ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह अपने ससुराल भोपाल में रहती हैं और मायके न्यू शास्त्री नगर तिलवारा आई हुई थीं। रात में वह अपनी मां के साथ स्कूटी प्लेजर से गढ़ा सामुदायिक भवन में आयोजित जन्मदिन की पार्टी से घर लौट रही थीं। पुलिस के अनुसार रात करीब पौने दस बजे पिसनहारी मढ़िया के पहले एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक उनकी स्कूटी के सामने आकर रुक गए। दोनों ने रास्ता रोककर महिला के गले में पहनी सोने की चेन और मंगलसूत्र छीनने का प्रयास किया।



महिला ने विरोध करते हुए वहां से निकलने की कोशिश की। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक ने चाकू निकाल लिया और चेन व मंगलसूत्र नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। धमकी के बाद आरोपी ने महिला के गले से सोने की चेन और मंगलसूत्र खींच लिया। इसके बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से मेडिकल की ओर तेजी से भाग गए। शिकायत मिलने के बाद गढ़ा पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने जांच और उपलब्ध जानकारी के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश झारिया (26), निवासी आजाद नगर सुपाताल और सलमान शाह (22), निवासी आजाद नगर सुपाताल के रूप में हुई है।

हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता को मिला मंच, साहित्य क्लब ने आयोजित की प्रतियोगिताएँ

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सेंट अलॉयसियस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गौर महाविद्यालय में साहित्य क्लब के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय के निदेशक आदरणीय फादर तंकच्चन जोस एवं प्राचार्य डॉ. रेणु पाण्डेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, सम्मान एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना तथा हिंदी की महत्ता और साहित्यिक समृद्धि से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. करुणा परमार एवं डॉ. पुनीता उपाध्याय उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता



करते हुए अपनी प्रतिभा, ज्ञान एवं अभिव्यक्ति-कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान हिंदी भाषा के महत्व, उसकी सांस्कृतिक भूमिका तथा साहित्यिक वैभव पर विचार-विमर्श किया गया। विद्यार्थियों को दैनिक जीवन एवं अकादमिक गतिविधियों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शबनम अख्तर ने हिंदी को भारतीय सांस्कृतिक पहचान और प्रभावी अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में साहित्य क्लब की सदस्य सुश्री सुलोचना साहू एवं सुश्री अनुष्का गुप्ता (सहायक प्राध्यापक) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राकेश कुशवाहा (सहायक प्राध्यापक) ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साहित्य क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि और जागरुकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

नदी में डूबे किशोर का शव 13 घंटे बाद उतराता मिला शव, दोस्तो के साथ नहाने गया था मृतक



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत केवई नदी में नहाने गए 15 वर्षीय किशोर की पानी में डूबने से आखिरकार मौत हो गई। शनिवार की शाम अपने तीन दोस्तों के साथ नदी पर नहाने गया किशोर गहरे पानी में उतरने के कारण डूब गया था। जहां शनिवार रात तक चले रेस्क्यू अभियान और ग्रामीणों की खोजबीन के बाद, रविवार सुबह किशोर का शव पानी में उतराता मिला। परिजनों ने शव को बाहर निकाला है, जिसके बाद रेस्क्यू कार्य समाप्त कर टीम जिला मुख्यालय लौट गई। वहीं पुलिस शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्डम के लिए सीएचसी कोतमा में भेज कर अन्य कार्रवाई कर रही है। मृतक 15 वर्षीय अभिषेक पाटस्कर, पुत्र माधव पाटस्कर, निवासी वार्ड नंबर 6, कोतमा शनिवार शाम अपने दोस्तों के साथ लहसुई गांव के रास्ते केवई नदी पर बने रपटे को पार कर, उससे 100-150 मीटर दूर स्टॉप डैम से सटे कुंडनुमा गड्ढे में नहाने गया था। नहाने के दौरान अभिषेक अनजाने में गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथ गए अन्य दोस्त गहरे पानी में नहीं उतरे थे; वे अभिषेक को डूबता देख डरकर मौके से भाग निकले और घर पहुंचकर परिजनों को पूरी बात बताई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने कोतमा थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस तुरंत स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। हालांकि, अंधेरा और पानी की अत्यधिक गहराई के कारण स्थानीय स्तर पर सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला मुख्यालय अनूपपुर को सूचित किया गया। सूचना पर जिला अनूपपुर पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने नदी के विभिन्न हिस्सों में टॉर्च व सर्च लाइट के सहारे खोजबीन अभियान चलाया, लेकिन रात में सफलता नहीं मिली। इसके बाद रविवार सुबह करीब 6.10 बजे परिजनों को शव किनारे के पास पानी में तैरता मिला। परिजनों ने शव को पानी से बाहर निकाला। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा भेज दिया है।

प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने भाजपा नेता अभय पाण्डेय के निवास पर कार्यकताओं संग किया रात्रि भोज



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री एवं अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार अपने अनूपपुर प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय पहुंचे। प्रवास के दौरान उन्होंने जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से आवश्यक जानकारी ली। कार्यक्रमों में सहभागिता के बाद प्रभारी मंत्री भाजपा नेता अभय पाण्डेय के निवास पर पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। अभय पाण्डेय के निवास पर प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने भाजपा कार्यकताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों एवं स्थानीय विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं से क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों, जनसंपर्क तथा संगठन को मजबूत बनाने को लेकर संवाद किया। मंत्री ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। इसके पश्चात भाजपा नेता अभय पाण्डेय के निवास पर प्रभारी मंत्री के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रभारी मंत्री के साथ भोजन किया। इस दौरान कार्यकताओं के बीच आपसी संवाद और सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। रात्रि भोज के अवसर पर अभय पाण्डेय की पत्नी रेखा पाण्डेय एवं उनकी माता पार्वती पाण्डेय भी उपस्थित रहीं। वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सोनी, जिला महामंत्री शिवरतन वर्मा, वेद प्रकाश द्विवेदी, प्रकाश मिश्रा, राजा तिवारी, मनोज दुबे, शुभम सिंह, राजू दहिया, चंदू पटेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री के अनूपपुर प्रवास के दौरान कार्यकताओं से हुई यह मुलाकात संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण रही। कार्यकताओं ने प्रभारी मंत्री के साथ स्थानीय स्तर की गतिविधियों और संगठन से जुड़े विषयों पर अनौपचारिक चर्चा की।

अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले में अवैध मादक पदार्थ एवं नशा के कारोबारियों के विरूद्ध कोतवाली अनूपपुर को सूचना प्राप्त हुई कि राजेन्द्रग्राम किरर तरफ से अनूपपुर की ओर दो व्यक्ति एक काले रंग की स्ट्रीम मोटर सायकल क्रमांक एम.पी. 65 जेड ए 9670 में बैठकर बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर आ रहे है। जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा राजेन्द्रग्राम अनूपपुर रोड कोयलारी तिराहा में नाकाबंदी कर आरोपी दिनेश कुमार बंजारा पिता लल्ला बंजारा उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम नौगवां थाना राजेन्द्रग्राम एवं सुनील उर्फ मन्जू यादव पिता सुरेश यादव उम्र 32 वर्ष निवासी पंचवटी मोहल्ला बुहार थाना बुढ़ार के कब्जे से पिट्ठू बैग के अंदर 05 पैकिट मादक पदार्थ गांजा कुल 05.60 किलोग्राम कीमती 50600 रुपए व हीरो स्ट्रीम मोटर सायकल कीमती 80000 रुपए का आरोपियो से जप्त किया गया है। तथा थाना कोतवाली अनूपपुर में आरोपीगणो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 517/26 धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

20 गुम मोबाइल को बरामद

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पूरे जिले में गुम हुए मोबाइलों को दस्तयाब कर उनके मालिकों को सुपुर्द करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना कोतमा पुलिस द्वारा गुम हुए मोबाइल फोनो को तलाश करने हेतु टीम बनाई गई। पुलिस टीम द्वारा साइबर सेल अनूपपुर की मदद से 20 मोबाइलों कीमती 02.20 लाख रुपया को दस्तयाब कर संबंधित मोबाइल फोन के मालिकों को सुपर्द किया गया। मोबाइल फोन मिलने पर संबंधित आवेदकों ने पुलिस की प्रशंसा करते हुए खुशी जाहिर की है।

लावारिस पड़े मिले थायराइड के 10 ब्लड सेम्पल, बीएमओ ने जारी किया नोटिस, एजेंसी ने लैब टेक्नीशियन को हटाया

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोतमा स्वास्थ्य केंद्र से मरीजों के ब्लड सैंपल जांच के लिए बाहर भेजने के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। बस स्टैंड में थायराइड जांच के करीब 10 सैंपल लावारिस हालत में मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित निजी एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मामले में एजेंसी प्रबंधन ने कार्रवाई करते हुए जिम्मेदार लैब टेक्नीशियन सचिन वर्मा को कार्य से हटा दिया है।



कोतमा स्वास्थ्य केंद्र की लैब से मरीजों के ब्लड सैंपल एकत्रित कर उन्हें जांच के लिए शहडोल होते हुए गोहपारू भेजा जाना था। सैंपल कलेक्शन से लेकर उन्हें संबंधित जांच केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी निजी एजेंसी साइंस होम को सौंपी गई थी। इसी प्रक्रिया के तहत थायराइड जांच के लिए मरीजों के करीब 10 सैंपल एकत्रित किए गए थे। लेकिन निर्धारित व्यवस्था के तहत सैंपल संबंधित जांच केंद्र तक पहुंचने के बजाय बस स्टैंड में लावारिस हालत में पड़े मिले। सैंपल पैकेट मिलने की जानकारी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया शुरू की गई। सैंपल पैकेट की तस्वीर सामने आने और मामले की जानकारी मिलने के बाद कोतमा स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. केएल दीवान ने संबंधित एजेंसी साइंस होम को नोटिस जारी किया था। नोटिस के माध्यम से सैंपल परिवहन में हुई लापरवाही को लेकर जवाब मांगा गया और जिम्मेदार कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद एजेंसी प्रबंधन ने मामले की जांच की। जांच के उपरांत जिम्मेदार लैब टेक्नीशियन सचिन वर्मा को कार्य से हटा दिया गया। एजेंसी की इस कार्रवाई के बाद मामले में कर्मचारी की जिम्मेदारी तय किए जाने की जानकारी सामने आई है।

युवक व महिला के साथ लूट व मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार, 1.60 लाख का मशरूका जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में युवक और उसकी महिला रिश्तेदार के साथ हुई लूट और मारपीट की वारदात का खुलासा कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए, जिसके बाद ब्यौहारी पुलिस ने चार टीमें गठित कर रात भर सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई मोटर साइकिल, नकदी और अन्य सामग्री समेत करीब 1.60 लाख रुपये का माल बरामद किया है। मामले में एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस के अनुसार रात करीब 10 बजे अभिषेक चतुर्वेदी (27) निवासी बरकछ अपनी महिला रिश्तेदार के साथ बाइक से मऊ तिराहा की ओर जा रहा था। मऊ तिराहा स्थित पुलिया के पास दोनों रुके थे। इसी दौरान दो मोटर साइकिलों से चार युवक वहां पहुंचे



और दोनों को घेरकर मोबाइल और रुपये देने की मांग करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने अभिषेक के साथ डंडे से मारपीट की, जबकि महिला रिश्तेदार के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी महिला का मोबाइल और 900 रुपये नकद तथा अभिषेक का पर्स छीनकर ले गए। पर्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड और 600 रुपये नकद थे। आरोपी उनकी मोटर साइकिल भी अपने साथ ले गए। घटना की सूचना डायल-112 के जरिए पुलिस को मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। एसपी के निर्देश पर गठित चार पुलिस टीमों ने रातभर जंगल, संभावित ठिकानों और अन्य स्थानों पर सर्च अभियान चलाया। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर चन्द्रभान बुनकर, नीतीश लोनी और पप्पू राठौर, तीनों निवासी मऊ, ब्यौहारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई मोटर साइकिल, नकदी और अन्य सामग्री बरामद की है। बरामद माल की कुल कीमत करीब 1.60 लाख रुपये बताई गई है। मामले में फरार चौथे आरोपी की तलाश जारी है।



राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते 1 स्वर्ण, 1 रजत व 5 कांस्य पदक

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में 16 से 18 सितंबर 2026 तक आयोजित 25वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वूशु प्रतियोगिता में शहडोल जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक अर्जित किए। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 700 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं स्पर्धा वर्गों में सहभागिता की। प्रतियोगिता में शहडोल के अथर्व सिंह टेकाम ने स्वर्ण पदक, आदित्य तिवारी ने रजत पदक तथा प्रथमेश ताम्रकर, इमरान खान, चंद्रशेखर यादव, केशव भारद्वाज एवं ओम द्विवेदी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक विजेता अथर्व सिंह टेकाम के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की वूशु प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। शहडोल जिला वूशु संघ के जिला अध्यक्ष श्री राजेश सोंधिया एवं जिला सचिव एवं कोच श्री अंशुमान सिंह ने टीम एवं सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान शहडोल टीम के जूनियर कोच के रूप में श्री चंद्रशेखर यादव एवं श्री कान्हा गर्ग ने तथा टीम मैनेजर के रूप में हिमानी सिंह ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर में स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग से पहुंचे डॉ. शिवेन्द्र द्विवेदी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, डॉ. अंजली मिश्रा, कल्पना मरावी एवं इंद्रावती ने विद्यार्थियों को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने तम्बाकू एवं नशे से होने वाले दुष्प्रभावों को बताते हुए तम्बाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही लेप्रोसी, एड्स नियंत्रण, संक्रमण से बचाव, आवश्यक सावधानियों तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच भी की गई तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय-समय पर आवश्यक जांच कराने की सलाह दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

हाथी महोत्सव में हाथियों को मिलेगा आराम, स्वास्थ्य परीक्षण व विशेष आहार की व्यवस्था

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों के लिए पांच दिवसीय हाथी महोत्सव का आयोजन 24 से 28 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान कैंप में तैनात हाथियों को नियमित कार्य से विश्राम दिया जाएगा तथा उनकी देखभाल के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। हाथी महोत्सव के दौरान हाथियों को नहलाने के साथ तेल मालिश एवं चंदन-वंदन किया जाएगा। साथ ही हाथियों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया जाएगा। इस अवसर पर हाथियों को केला, गन्ना, नारियल, रोटी सहित उनकी पसंद का विशेष आहार उपलब्ध कराया जाएगा। इस वर्ष हाथी महोत्सव का आयोजन पारंपरिक ताला गेट के स्थान पर धमोखर बफर क्षेत्र के परासी गेट में किया जा रहा है। आयोजन स्थल में बदलाव का उद्देश्य अधिक से अधिक स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों को महोत्सव से जोड़ना तथा हाथियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में धमोखर बफर क्षेत्र का प्रवेश द्वार परासी है। हाथी महोत्सव के माध्यम से हाथियों की देखभाल, संरक्षण एवं उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश जनसामान्य तक पहुंचाया जाएगा।



संपादकीय

दीये में आग, मंदिर में चिता

देखने में ही यह घटना कानून की दरगाह में मानव प्रवृत्तियों का जनाजा उठाती है, लेकिन आधुनिक काल में खुद को ईश्वर के पंडाल में सजा देना, कई प्रश्नों से भरा है। ठीक ज्वालामुखी मंदिर के सामने स्वयं अपनी चिता जलाने की कोशिश में राजस्थान से आया श्रद्धालु बुरी तरह झुलस गया। घटना के कानूनी पहलू या तो पुलिस तफतीश से पूरे होंगे या उपचाराधीन श्रद्धालु का चिकित्सकीय इलाज बताएगा कि नसों में कितना जीवन बचा है। अपने आप में यह घटना मानव सभ्यता के उसूलों के विरुद्ध और ईश्वरीय विश्वास के खिलाफ भय पैदा करती है, लेकिन बड़ी बात यह कि इससे मंदिर परिसरों में सुरक्षा के दायरे जरूर टूटे हैं। एक आदमी हजारों मंचों पर विभिन्न परिस्थितियों का गवाह है। ठीक इसी तरह जब कोई ज्वालामुखी मंदिर परिसर में आग लगाकर जल रहा था, तो दूसरे मंच पर आशीर्वाद के दीपक जलाकर एक हिंदोस्तान प्रधानमंत्री का जन्म दिन मना रहा था। दोनों के इजहार में देश की स्थिति और निजी परिस्थितियां शिरकत कर रही थीं। राजस्थान से ज्वालामुखी पहुंचकर अगर एक श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्वयं को आग लगा लेता है, तो यह एक नागरिक के प्रश्नों की आग है। वह निजी जिंदगी के तमाशों से आजिज हो सकता है या बतौर नागरिक टूट सकता है। उसके कुछ निजी झगड़े या कमजोरियां होंगी। उसके सामने समाज और देश के हालात बिगड़े होंगे या अपनी बेडि?ों का एहसास टूट चुका होगा। वह एक टूटा हुआ एहसास रहा होगा, जो मां के दरबार में जलती ज्वाला से अपने शरीर की आग मिला रहा होगा, लेकिन इसके बरअक्स पूरे देश में जले दीयों की रोशनी ने क्या कहा। यह कौन सा भारत है, जहां कोई एक नागरिक अपने अंधेरों से मुक्ति के लिए मंदिर में चिता जलाता है तो कोई प्रधानमंत्री देश के करोड़ों दीपों से अपना जन्म दिन मनाता है। आग के समुद्र में कश्तियां क्या चलाओगे, यहां के दरियाओं ने खुद को ही जला रखा है। देश में आग के कई दरिया है और जहां नागरिक समाज की इच्छाएं, जेबें और सपने जलते हैं। किसी की शोहरत का धुआं किसी की आंख में जल रहा है, शहर की हर पताका में शहंशाह का गुरूर दिख रहा है। देश के लिए दीये जलाना गौरव का विषय हो सकता है, तो आस्था के सैलाब किसी आदमी का स्वयं को जलाना राष्ट्रीय पश्चाताप क्यों नहीं। कभी दीप से दीप जलाने की मंशा में राष्ट्र भक्ति का संदेश उभरता था, लेकिन आज व्यक्ति पूजा के लिए उत्सव मनाना एक रिकार्ड है और इसीलिए कई घाटों पर जब लाखों दीये जले होंगे, तो जनता को उसमें भी नया भारत नजर आया होगा। काश कोई दीया उस आत्मघाती इंसान को पहले दिखाई देता, जिसने ज्वालामुखी मंदिर परिसर में जलकर अपना बयां दर्ज किया। पता नहीं अपशगुन कहां हुआ। मां के मंदिर में आकर एक श्रद्धालु का खुद को आग लगाना या एक जीवित व्यक्ति के नाम पर करोड़ों दीपों का रिकार्ड सहित जल जाना। जो भी हो राष्ट्र का निर्माण किसी एक सामान्य नागरिक के रूप में संतुष्ट करता है, तो इससे बड़ा पूजा पाठ और क्या होगा।

PLI का फोकस निर्यात पर हो, सब्सिडी की समयसीमा तय कर व्यापक औद्योगिक सुधारों पर देनी होगी जोर



औद्योगिक नीति फिर से चर्चा में है। दुनिया भर के देश विशेष उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के नीतिगत उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इतिहास की व्यापक समीक्षा से पता चलता है कि पिछले 25 वर्षों में औद्योगिक नीति दुनिया भर में लगातार प्रभावी रही है। खासकर आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अपेक्षाकृत समृद्ध देशों में। औद्योगिक नीति (आईपी) के रूप में वगीर्कृत किए जा सकने वाले सरकारी हस्तक्षेप भी 2010 के दशक के करीब 5 फीसदी से बढ़कर औसतन 40 फीसदी हो गए हैं। आईपी में अब केवल उद्योग ही नहीं बल्कि सेवा क्षेत्र भी आते हैं। पहले यह नीति आमतौर पर बड़े उपक्रमों पर केंद्रित रहती थी लेकिन आज इसमें छोटे और मझोले उपक्रम भी आते हैं। इन दिनों इसी की चर्चा है। औद्योगिक नीति पर हालिया अध्ययनों में कहा गया है कि राज्य की क्षमता और निजी क्षेत्र के साथ इसका रिश्ता दोनों औद्योगिक नीति की कामयाबी के लिए जरूरी हैं। अगर कोई देश बिना पर्याप्त क्षमता के बहुत कुछ करने का प्रयास करता है तो उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। सरकार की किसी भी स्तर की क्षमता के लिए गतिविधियों का भी एक स्तर होता है। कर राजस्व के लिए वह लाफर कर्व की तरह होता है जहां कर बढ़ने के साथ राजस्व बढ़ता है लेकिन एक सीमा तक। अगर कर दर बहुत अधिक हो तो राजस्व में कमी आती है। इसी प्रकार अगर राज्य किसी भी स्तर की क्षमता के लिए बहुत अधिक प्रयास करने की कोशिश करता है तो इसका प्रभाव शुरू में तो बढ़ता है लेकिन बाद में उसमें गिरावट आती है। राज्य की हर क्षमता में हस्तक्षेप की एक सीमा होती है। चूंकि इसका कोई नाम नहीं है इसलिए मैं इसे राज्य के हस्तक्षेप का ह्यछिब्बर कर्वह्न कह रहा हूं। जब राज्य की भूमिका अत्यधिक विस्तृत हो जाती है, तो काम को कम करना यानी ए से बी की ओर जाना सरकार की प्रभावशीलता में सुधार करेगा। समय के साथ जैसे-जैसे राज्य की क्षमता बढ़ती है, राज्य की कार्रवाई का दायरा भी बढ़ सकता है और बी से सी की ओर जा सकता है। सरकारी कार्यों को तीन श्रेणियों में वगीकृत किया जा सकता है। श्रेणी 1 में हमारे पास रक्षा, कानून और व्यवस्था, और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे न्यूनतम कार्य आते हैं। कई विकासशील देश इन न्यूनतम कार्यों को भी कुशलतापूर्वक पूरा करने में असमर्थ होते हैं। अगला स्तर श्रेणी 2, मध्यवर्ती कार्यों का है, जैसे शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, शोध और विकास को प्रोत्साहन देना, वित्तीय और उपयोगिता विनियमन, और सामाजिक सुरक्षा या बीमा की व्यवस्था। इनमें से कुछ गतिविधियां जैसे शोध और विकास को प्रोत्साहित करना, कभी-कभी औद्योगिक नीति का हल्का संस्करण भी कहा जाता है। अंत में, श्रेणी 3 में निजी गतिविधियों के समन्वय में सरकार की अधिक सक्रिय भूमिका आती है। जैसे बाजारों को बढ़ावा देना और क्लस्टर पहलों का समर्थन करना। ये अधिक सक्रिय कार्य पारंपरिक रूप से औद्योगिक नीति माने जाते रहे हैं। यदि कोई देश श्रेणी 1 और 2 के अंतर्गत आने वाली सेवाएं जैसे बुनियादी स्वास्थ्य आदि प्रदान करने में असमर्थ है, शिक्षा में अपर्याप्त निवेश कर रहा है, पर्यावरण संरक्षण के उपायों को लागू करने में विफल है, या नागरिकों को उचित स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, तो वह औद्योगिक नीति के तहत अधिक सक्रिय नीतियों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार नहीं माना जा सकता। कमजोर क्षमताओं वाले राज्यों को अधिक सक्रिय औद्योगिक नीतियों की ओर बढ़ने से पहले श्रेणी 1 और 2 के तहत आने वाले बुनियादी और मध्यवर्ती कार्यों को पूरा करना चाहिए। वे उद्योगों को समर्थन दे सकते हैं, लेकिन इसके लिए अपेक्षाकृत सरल उपाय अपनाने चाहिए। जैसे बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था, कर प्रोत्साहनों के जरिये शोध एवं विकास को बढ़ावा देना, औद्योगिक पार्कों के लिए सहायता उपलब्ध कराना और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार करना। हालांकि उन्हें समर्थन के लिए अपनी पसंद के उद्योगों या कंपनियों को चुनने जैसी अधिक सक्रिय औद्योगिक नीति में नहीं पड़ना चाहिए। सफल औद्योगिक नीति की कुंजी यह तय करना है कि औद्योगिक नीति के लाभ पाने वाली कंपनियों के प्रदर्शन को किस पैमाने से मापा जाएगा। पूर्वी एशिया के सफल देशों खासकर दक्षिण कोरिया और ताइवान ने औद्योगिक नीति के तहत काफी अलग-अलग उपाय अपनाये और विभिन्न प्रकार की कंपनियों को लक्षित किया। दक्षिण कोरिया में मुख्यतः बड़े उद्योगों को सहारा दिया गया जबकि ताइवान ने उन उद्योगों को सहारा दिया जहां लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) और सरकारी स्वामित्व वाले उद्यम प्रमुख थे। लेकिन दोनों ही मामलों में औद्योगिक नीति इसलिए सफल रही क्योंकि प्रदर्शन का पैमाना निर्यात था। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि औद्योगिक नीति का सहारा पाने वाली कंपनियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों। इसके अलावा औद्योगिक नीति के लाभ कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित नहीं थे बल्कि पूरे उद्योग को व्यापक रूप से उपलब्ध कराए गए थे। भारत औद्योगिक नीति के लिए बहुत अच्छा उम्मीदवार नहीं है क्योंकि वह अभी राज्य के बुनियादी कार्यों, जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा, को भी पर्याप्त रूप से पूरा नहीं कर पा रहा है और राज्य की क्षमता से जुड़े सूचकांकों में उसका प्रदर्शन कमजोर है। खासकर दूरसंचार क्षेत्र में नियामकीय कब्जे के भी प्रमाण मिले हैं। भारत ने 1950 से 1990 के दौर में भी औद्योगिक नीति अपनाने की कोशिश की थी। उस समय आयात प्रतिस्थापन और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के जरिए इसे लागू किया गया। लेकिन औद्योगिक नीति का वह दौर बुरी तरह विफल रहा। इसके बावजूद भारत ने अब उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के जरिए फिर औद्योगिक नीति का रास्ता अपनाया है। इसके तहत 14 उद्योगों को सब्सिडी दी जा रही है। हालांकि पीएलआई के तहत मिलने वाली सब्सिडी निर्यात प्रदर्शन के बजाय उत्पादन और बिक्री में हुई अतिरिक्त वृद्धि से जुड़ी है। अब तक पीएलआई योजना ने आईफोन असेंबली और फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में सफलता दिखाई है जहां लाभ निर्यात के जरिए हासिल हुए हैं। बड़े पैमाने के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और फार्मास्युटिकल्स ने वित्त वर्ष 2026 तक वितरित की गई कुल पीएलआई प्रोत्साहन राशि का 73 फीसदी हिस्सा हासिल किया, जबकि इनको सब्सिडी की जरूरत तक नहीं है। आईटी हार्डवेयर, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल, एसीसी बैटरी और सोलर पीवी मॉड्यूल जैसे अन्य क्षेत्रों में प्रोत्साहन का वितरण सीमित रहा है। इनमें से कुछ उद्योगों में लक्ष्य निर्यात बढ़ाना नहीं, बल्कि आयात का प्रतिस्थापन है। ऐसे में यह आकलन करने का कोई स्पष्ट तरीका नहीं है कि यह नीति सफल होगी या नहीं और इसकी कीमत कितनी चुकानी पड़ेगी। ये उद्योग केवल सब्सिडी की मांग तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि और अधिक आयात संरक्षण की मांग भी करेंगे। उम्मीद है कि भारत जिन मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है, उनकी वजह से ऐसी मांगों को सीमित रखने में मदद मिलेगी। नुकसान को सीमित करने के लिए पीएलआई सब्सिडी को निर्यात से जोड़ना और एक निश्चित समय के बाद उन्हें पूरी तरह समाप्त करना जरूरी है। इसके बजाय व्यापक सुधारों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि उद्योग समग्र रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बने और औद्योगिक नीति की सब्सिडी पर निर्भर न रहे।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य लाभ में आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि :- योजना पूर्ण हो, शुभ समाचार से मन प्रसन्न हो, सोचे हुए कार्य अवश्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- कार्य व्यवसाय में थकावट बेचैनी कुछ असफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि :- दैनिक व्यवसाय गति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

सिंह राशि :- आलोचना से बचियें, कार्य कुशलता से पूर्ण संतुष्ट तथा संतोष बना ही रहेगा।

कन्या राशि :- भोग ऐश्वर्य में समय बीते, शारीरिक थकावट बेचैनी कार्य में बढ़ेगी, ध्यान रखें।

तुला राशि :- मित्र वर्ग विशेष फलप्रद रहे, आशानुकूल सफलता से संतोष होगा।

वृश्चिक राशि:- मित्र वर्ग विशेष फलप्रद रहे, कार्य में सफलता प्राप्त होगी, रुके कार्य अवश्य बनेंगें।

धनु राशि :- तनाव पूर्ण वातार्लाप चलनी ही रहेगी तथा सुख वर्धक योग अवश्य ही बनेगा।

मकर राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार, सामाजिक कार्य में मान प्रतिष्ठा अवश्य ही बनेगा।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय गति मंद चोट आदि का भय होगा तथा मानसिक तनाव बनेगा।

मीन राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष बिगड़े कार्य की योजना अवश्य ही बनेगा।

खाने के बाद बार-बार डकार और पेट फूलने से हैं परेशान, इन आदतों पर दें ध्यान



खाना खाने के बाद बार-बार डकार आना और पेट फूलना आम समस्या है। कई बार इसके पीछे रोजाना की खानपान की आदतें जिम्मेदार होती हैं। क्यूरा आयुर्वेदिक एंड यूनानी लिमिटेड की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. अवंतिका के अनुसार, अगर खाने के बाद अक्सर डकार और पेट फूलने की शिकायत रहती है तो डाइट के साथ-साथ भोजन करने के तरीके पर भी ध्यान देना जरूरी है। डॉ. अवंतिका के मुताबिक, बार-बार गैस, पेट फूलना और डकार की समस्या खानपान की आदतों से जुड़ी हो सकती है। आयुर्वेद में इन समस्याओं को कमजोर पाचन अग्नि का संकेत माना जाता है। इसलिए भोजन में क्या शामिल किया जा रहा है, किस समय खाया जा रहा है और किस तरह खाया जा रहा है, इन सभी बातों पर ध्यान देना जरूरी है। सही खानपान की आदतें पाचन को बेहतर रखने और गैस व ब्लोटिंग जैसी परेशानियों को कम करने में मदद कर सकती हैं। विशेषज्ञ के अनुसार, भोजन हमेशा ताजा और हल्का गर्म करके खाना चाहिए। एक साथ बहुत ज्यादा खाना खाने से बचना चाहिए और पेट को पूरी तरह भरने के बजाय थोड़ी जगह खाली रखनी चाहिए। भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाने से उसके पाचन में मदद मिल सकती है। एक भोजन के पचने के बाद ही अगला भोजन करने की सलाह दी जाती है। आयुर्वेद में विरुद्ध आहार यानी ऐसे खाद्य पदार्थों के संयोजन से बचने की सलाह दी जाती है, जो पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा रात का भोजन जितना जल्दी हो सके कर लेना बेहतर माना जाता है, ताकि सोने से पहले भोजन को पचने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। भोजन करते समय ज्यादा बातचीत करने से भी बचने की सलाह दी जाती है। खाना खाते समय मोबाइल और टीवी से दूरी बनाकर भोजन पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही अपनी प्रकृति और पाचन क्षमता के अनुसार भोजन का चुनाव करना जरूरी है। हर व्यक्ति की पाचन क्षमता अलग हो सकती है, इसलिए भोजन का चयन भी उसी के अनुसार करना चाहिए। अगर खाना खाने के बाद पेट फूलने की समस्या होती है तो अजवायन या अदरक का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें पाचन से जुड़ी परेशानियों में उपयोगी माना जाता है। हालांकि, किसी भी चीज का अत्यधिक सेवन करने के बजाय अपनी स्थिति के अनुसार उसका इस्तेमाल करना बेहतर है। बार-बार गैस और डकार की समस्या को हमेशा सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर इसके साथ पेट दर्द, उल्टी या बिना वजह वजन कम होने जैसे लक्षण भी दिखाई दें तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। लगातार बने रहने वाले या गंभीर लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर से जांच कराना उचित रहता है।

स्वाइन फ्लू में इन मरीजों को निमोनिया का खतरा अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वाइन फ्लू, जिसे एच1एन1 इन्फ्लुएंजा भी कहा जाता है, एक वायरल संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, बदन दर्द और कमजोरी शामिल हैं। अधिकांश मरीज उचित देखभाल के साथ ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में संक्रमण फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ वर्ग के मरीजों में यह जोखिम अपेक्षाकृत अधिक रहता है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला के आंतरिक चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. संजय वर्मा के अनुसार, कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में स्वाइन फ्लू के दौरान निमोनिया का खतरा अधिक रहता है। इनमें बुजुर्ग, छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा डायबिटीज, अस्थमा, सीओपीडी, हृदय रोग, किडनी की बीमारी या किसी अन्य गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। कैंसर का इलाज करा रहे मरीजों या किसी अन्य कारण से जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है, उनमें भी संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। ऐसे मरीजों को फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर चिकित्सकीय सलाह और आवश्यक जांच से बीमारी की गंभीरता का पता लगाने में मदद मिल सकती है। कई बार स्वाइन फ्लू और निमोनिया के शुरूआती लक्षण एक जैसे दिखाई देते हैं। ऐसे में बुखार लगातार बना रहे या कुछ समय बाद दोबारा बढ़ जाए, खांसी और सांस फूलने की समस्या बढ़ने लगे, सीने में दर्द हो, ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाए या मरीज को असामान्य कमजोरी महसूस हो, तो इसे केवल सामान्य फ्लू मानकर घर पर इलाज जारी रखना उचित नहीं है। इन लक्षणों की स्थिति में चिकित्सकीय जांच जरूरी है। डॉक्टर की सलाह है कि अधिक जोखिम वाले मरीज फ्लू के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। बीमारी के शुरूआती चरण में डॉक्टर से परामर्श लेने से यह तय करने में मदद मिलती है कि मरीज को केवल लक्षणों के आधार पर उपचार की जरूरत है या आगे की जांच और एंटीवायरल उपचार आवश्यक है। खासतौर पर सांस से जुड़ी परेशानी बढ़ने पर उपचार में देरी नहीं करनी चाहिए।

किचन की तीन रोजमर्रा की चीजों के इस्तेमाल को लेकर बरतें सावधानी

नई दिल्ली, एजेंसी। किचन में रोजाना इस्तेमाल होने वाली कुछ चीजों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट और डायटीशियन किरण कुकरेजा ने किचन में इस्तेमाल होने वाली तीन ऐसी चीजों के बारे में बताया है, जिन्हें लेकर सावधानी बरतना जरूरी है। उन्होंने इनके स्थान पर सुरक्षित विकल्प अपनाने की सलाह दी है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, लोग स्वस्थ भोजन चुनने में काफी ध्यान देते हैं, लेकिन इस बात पर कम ध्यान देते हैं कि भोजन किस चीज में पकाया जा रहा है और किचन की सफाई के लिए किन चीजों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका कहना है कि रोजमर्रा की जिंदगी में रसायनों के अनावश्यक संपर्क को कम करने के लिए किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर भी ध्यान देना चाहिए। किरण कुकरेजा ने सामान्य किचन स्पंज के इस्तेमाल को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनके मुताबिक, स्पंज में खाने के कण फंस सकते हैं और लंबे समय तक गीला रहने के कारण उसमें बैक्टीरिया पनपने की संभावना रहती है। इसके विकल्प के तौर पर उन्होंने नारियल के रेशों से बने स्क्रबर का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। उनके अनुसार यह प्लास्टिक-फ्री होता है, जल्दी सूखता है और इसे बदलना भी आसान होता है। दूसरी चीज डिशवॉशिंग जेल है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, कई लिक्विड डिशवॉशिंग उत्पादों में आइसोथियाजोलिनोन, सिंथेटिक खुशबू और डाई जैसे रसायन हो सकते हैं। उन्होंने ऐसे उत्पादों की जगह प्लांट-बेस्ड विकल्प अपनाने का सुझाव दिया है। उनके अनुसार प्राकृतिक डिशवॉशिंग लिक्विड ऐसा विकल्प हो सकता है, जो अनावश्यक रसायनों के इस्तेमाल के बिना सफाई करने में मदद करता है। तीसरी चीज एल्युमीनियम फॉयल है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, गर्मी और अम्लीय खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने पर एल्युमीनियम की कुछ मात्रा भोजन में मिल सकती है। उन्होंने जहां संभव हो, इसके स्थान पर पार्चमेंट पेपर इस्तेमाल करने की सलाह दी है। खासकर गर्म भोजन को लपेटने या पकाने के दौरान विकल्प का इस्तेमाल करने पर ध्यान देने की बात कही गई है। न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजें केवल सफाई और खाना पकाने तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनका संपर्क भोजन और आसपास के वातावरण से भी होता है। इसलिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए भोजन तैयार करने और किचन की सफाई में इस्तेमाल होने वाली चीजों का चुनाव सोच-समझकर करना जरूरी है। साथ ही, किसी भी उत्पाद के इस्तेमाल से पहले उसके लेबल और उपयोग संबंधी निदेर्शों को पढ़ना भी उपयोगी हो सकता है।



शिकायतों की फाइलें दबीं, कार्रवाई ठंडी—किसके इशारे पर सुस्त पड़ा जनपद प्रशासन...?

केवलारी जनपद में भ्रष्टाचार का खेल! संरक्षण की छांव में सचिव-सरपंच बेखौफ...?



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – एक बार फिर केवलारी जनपद में भ्रष्टाचार सक्रिय पूर्व से ही वित्तीय अनियमिताओं को लेकर अखबारों एवं प्रशासन की सुर्खियों में केवलारी जनपद के भ्रष्टाचार निरंतर बने हुए हैं।ओर जहां एक और प्रदेश सरकार भ्रष्ट और भ्रष्टाचार मिटाने की मुहिम चला रही है एवं विकास के पक्के दावे कर रही है वहीं दूसरी ओर जिम्मेदारों के संरक्षण में भ्रष्टाचार फल फूल रहा है सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जमीनी हकीकत में तोड़ रही है दम अपने और अपने चाहेतो को लाभ दिलाने की मंशा से जिम्मेदार अधिकारी मिलकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को कर रहे हैं खोखला कार्रवाईया ना होने के चलते भ्रष्टाचार्यों के हौसले बुलंद हैं केवलारी जनपद एक बार फिर पंचायतों में कथित भ्रष्टचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर सवालों के घेरे में है। जनपद क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में सचिव और सरपंचों की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं।

निर्माण कार्यों से लेकर शासकीय राशि के उपयोग और पंचायत स्तर की व्यवस्थाओं तक कई मामलों में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते रहे हैं। लेकिन इन आरोपों से बड़ा सवाल अब कार्रवाई की रफ्तार और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को लेकर खड़ा हो रहा है। वहीं दूसरी और कुछ जिम्मेदार जागरूक लोग अखबारों एवं अन्य माध्यमों से भ्रष्टाचार अनियमित ऑन को जिम्मेदार अधिकारियों एवं प्रशासनिक तंत्र के सामने लाने की कोशिश में लगे हैं। एवं जिम्मेदारों को चिता रहे हैं। फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उन बातों को दरकिनार कर भ्रष्टाचार को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। जिसका परिणाम यह है कि कार्रवाइयों के नाम पर जिम्मेदार एवं प्रशासनिक तंत्र नाकाम है और भ्रष्टाचार्यों के हौसले बुलंद है।

शिकायतों का ढेर, कार्रवाई ढप...

पंचायतों से संबंधित शिकायतें जनपद कार्यालय तक पहुंचने की बात सामने आती रही है। जांच की मांग होती है, आवेदन दिए जाते हैं और कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। मगर कई मामलों में शिकायतों के अंतिम नतीजे सामने नहीं आने से पूरी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। क्या शिकायतें सिर्फ टेबल से फाइल और फाइल से अलमारी तक पहुंच रही हैं? यदि शिकायत गलत है तो जांच के बाद उसे खारिज किया जाए और यदि आरोपों में तथ्य हैं तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। मगर बीच में लटकी शिकायतें व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

टेबल की शोभा बनी शिकायतें, धूल फांक रही कार्रवाई की फाइलें...

जनपद कार्यालय में शिकायतों के निराकरण को लेकर कथित सुस्ती अब चर्चा का विषय बनी हुई है। आरोप है कि शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के बजाय जांच और प्रक्रिया के नाम पर मामला लंबा खिंचता जाता है। फाइल चलती है, लेकिन कार्रवाई नहीं चलती—यही सवाल अब सबसे बड़ा बन गया है।समय पर जांच और निर्णय नहीं होने से शिकायतों की गंभीरता भी धीरे-धीरे खत्म होती जाती है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी है। जिम्मेदारों के संरक्षण में फल फूल रहे हैं सचिव-सरपंच एवं अन्य प्रतिनिधि पंचायतों में सचिव और सरपंचों की भूमिका विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में इनके खिलाफ वित्तीय या निर्माण संबंधी अनियमितताओं के आरोप सामने आना सामान्य मामला नहीं माना जा सकता। यदि शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो सवाल यह भी है कि जनपद की निगरानी व्यवस्था आखिर कर क्या रही है?क्या पंचायतों के कार्यों का नियमित निरीक्षण होता है? क्या निर्माण कार्यों का मौके पर सत्यापन किया जाता है? क्या भुगतान से पहले गुणवत्ता की जांच होती है? यदि यह सब प्रक्रिया नियमित है तो फिर अनियमितताओं की शिकायतें बार-बार क्यों सामने आती हैं?

गांधी छाप कागज की चर्चा ने बढ़ाई सनसनी

जनपद पंचायत क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार को लेकर जन चचाओं के बीच ह्यगांधी छाप कागजह्न के असर की बातें भी कही जाती रही हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच का विषय है, लेकिन यदि किसी भी स्तर पर आर्थिक लेन-देन के कारण कार्रवाई प्रभावित होती है तो यह बेहद गंभीर प्रशासनिक मामला होगा।

अब सवाल यह उठता है कि.....

कार्रवाई कानून के हिसाब से होती है या फिर जेब के हिसाब से? यदि पूरा प्रशासनिक तंत्र पारदर्शी है तो शिकायतों की जांच और कार्रवाई का रिकॉर्ड सामने रखने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

पुरानी सुर्खियां, नए आरोप—फिर भी सबक नहीं? केवलारी जनपद पहले भी पंचायतों में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर चचाओं में रहा है। समय-समय पर अलग-अलग पंचायतों से जुड़े मामले सामने आते रहे हैं। इसके बावजूद यदि नए मामलों में भी वही आरोप दोहराए जा रहे हैं तो यह निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। आखिर हर बार मामला सुर्खियों तक पहुंचता क्यों है, कार्रवाई की मंजिल तक क्यों नहीं?

जांच की आड़ में मामलों को ठंडे बस्ते में डालने का आरोप- शिकायतकर्ता अखिलेश बन्देवार द्वारा आरोप लगाया गया कि शिकायत के बाद जांच होना जरूरी है, लेकिन जांच की कोई स्पष्ट समयसीमा न हो तो शिकायतें लंबित होती चली जाती हैं। यही स्थिति भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में और गंभीर हो जाती है।

इस संबंध में इनका कहना है कि ....

मेरे द्वारा लंबे समय से वित्तीय अनियमिताओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई है मगर शिकायतों के बाद भी कार्रवाई न करना जिम्मेदार अधिकारियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है कार्रवाई न होने के चलते भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद हैं। जिम्मेदारों के संरक्षण में फल फूल रहे हैं भ्रष्टाचारी मैं जल्दी उक्त मामलों को लेकर न्यायालय की शरण भी लूंगा।

शिकायतकर्ता...अखिल बन्देवार
आरटीआई एक्टिविस्ट एवं समाज सेवी...



अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का 169वां शहादत दिवस मनाया

चुरना टोला ईदावाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक दिनेश राय मुनमुन ने दी श्रद्धांजलि, टीन शेड के लिए 2 लाख और सामुदायिक भवन के लिए 20 से 25 लाख रुपये की घोषणा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- मंडला रोड स्थित सिवनी से करीब 12 किलोमीटर दूर ग्राम चुरना टोला ईदावाड़ी में 18 सितंबर को गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का 169वां शहादत दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा मध्यप्रदेश एवं ग्राम कमेटी चुरना टोला के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, बरघाट विधायक कमल मर्सकोले एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। अतिथियों ने अमर शहीद महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि देश की आजादी के लिए महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने दोनों अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया।

विकास कार्यों की घोषणा- कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों की मांग पर विधायक दिनेश राय मुनमुन ने महाराजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमा स्थल पर टीन शेड निर्माण के लिए 2 लाख रुपये तथा सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 से 25 लाख रुपये की घोषणा की। घोषणा पर ग्राम चुरना टोला, ईदावाड़ी एवं आसपास के ग्रामीणों, सरपंच तथा आयोजन समिति ने विधायक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम अध्यक्ष अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड महासभा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चंदन लाल मर्सकोले रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रदेश सचिव ओपी नरेती सहित महासभा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर चंदन लाल मर्सकोले एवं ग्राम कमेटी चुरना टोला ईदावाड़ी की ओर से सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का सेवा जोहार करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

गांवों ने खुद उठाया नशामुक्ति का बीड़ा

आमाकोला, मोहबेली और जामुनटोला में रैली निकालकर ग्रामीणों ने दिया सामाजिक बदलाव का संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- नशे के खिलाफ किसी सरकारी अभियान का इंतजार करने के बजाय ग्राम पंचायत आमाकोला क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्वयं आगे आकर सामाजिक जागरूकता की पहल की है। ग्राम आमाकोला, मोहबेली और जामुनटोला में ग्रामीणों ने नशामुक्ति रैली निकालकर लोगों को अवैध शराब से दूर रहने और गांवों में स्वस्थ सामाजिक वातावरण बनाने का संदेश दिया। रैली के दौरान ग्रामीणों और युवाओं ने लोगों से अपील की कि शराब के सेवन के साथ-साथ इसके अवैध क्रय-विक्रय को भी बढ़ावा न दिया जाए। ग्रामीणों को समझाया गया कि नशे की आदत का प्रभाव केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, बच्चों के भविष्य और सामाजिक वातावरण पर भी इसका असर पड़ता है। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों ने अपने गांव को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता का संकल्प लिया। ग्रामीणों का कहना रहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि समाज के भीतर जागरूकता और लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। अभियान में ग्राम पंचायत आमाकोला के सरपंच बब्लेश परते, क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य बब्लेश ठाकुर, गांव के युवाओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही।

तीन गांवों की एक पहल, पूरे क्षेत्र के लिए संदेश

आमाकोला क्षेत्र के ग्रामीणों की यह पहल इसलिए भी उल्लेखनीय है कि इसमें प्रशासनिक आदेश से अधिक सामाजिक जिम्मेदारी की भावना दिखाई दी। युवाओं और ग्रामीणों ने मिलकर यह संदेश देने का प्रयास किया कि गांव का माहौल केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की सामूहिक सोच और सहभागिता से भी बदलता है। अब यह पहल कितनी आगे बढ़ती है, यह ग्रामीणों की निरंतर भागीदारी पर निर्भर करेगा। लेकिन तीन गांवों से उठी यह आवाज निश्चित रूप से यह संदेश देती है कि नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज स्वयं भी अपनी भूमिका निभा सकता है।



संगठनात्मक कार्यों में सक्रियता और दायित्वों के निर्वहन को देखते हुए मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अशोक कुमार वर्मा को भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ का सिवनी जिलाध्यक्ष बनाया

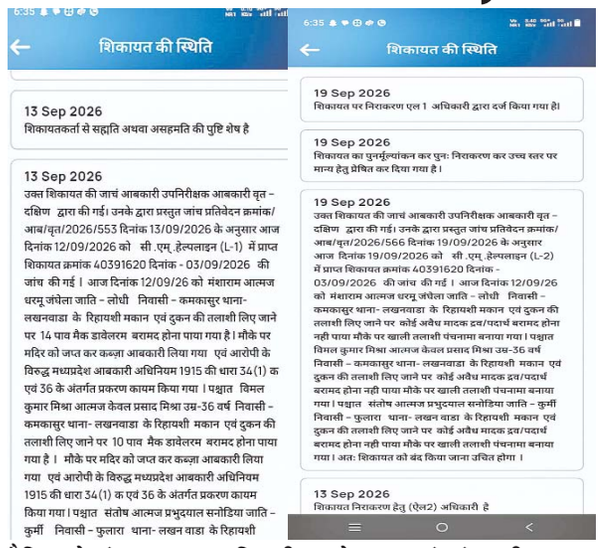
दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। पेंशनरों के हितों के लिए कार्यरत भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, मध्यप्रदेश ने सिवनी जिले में संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी अशोक कुमार वर्मा को सौंपी है। महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रांतीय अध्यक्ष आर.एस. तोरिया द्वारा 19 सितंबर 2026 को जारी अधिसूचना के माध्यम से अशोक कुमार वर्मा को भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, मध्यप्रदेश का सिवनी जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जारी अधिसूचना में उल्लेख किया गया है कि अशोक कुमार वर्मा को महासंघ के विधान का पालन करते हुए संगठन के हित में कार्य करने तथा पेंशनरों के हितों को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाध्यक्ष के रूप में वे जिले में महासंघ के संगठन को मजबूत करने, पेंशनरों को संगठन से जोड़ने तथा उनकी समस्याओं और मांगों को उचित मंच तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

लंबे संगठनात्मक अनुभव के चलते मिली जिम्मेदारी

अशोक कुमार वर्मा लंबे समय से विभिन्न कर्मचारी एवं शिक्षक संगठनों में सक्रिय रहकर संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश शिक्षक संघ में नगर अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष एवं कार्यकारी जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली है। इसके अलावा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ में शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के रूप में भी लंबे समय तक कार्य किया है। विभिन्न संगठनों में जिम्मेदारियां संभालने के दौरान संगठनात्मक कार्यों में सक्रियता और सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन के अनुभव को देखते हुए अब भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ ने उन्हें सिवनी जिले की कमान सौंपी है। महासंघ की ओर से जारी मनोनयन के बाद अब वर्मा जिले में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के साथ पेंशनरों के हितों से जुड़े विषयों पर कार्य करेंगे। अशोक कुमार वर्मा के मनोनयन पर पेंशनर एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठनों से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

अवैध शराब की जड़ तक पहुंचने की शिकायत, कार्रवाई छोटे विक्रेताओं तक सीमित करने के आरोप; शराब दुकानों की भूमिका पर विभाग खामोश क्यों?

एक शिकायत, दो रिपोर्ट और 12 सितंबर की जांच के दो अलग-अलग सच!



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कोहका एवं मुंगवानी शराब दुकानों से आसपास के गांवों में कथित रूप से अवैध शराब की बिक्री एवं आपूर्ति की जांच की मांग को लेकर की गई सीएम हेल्पलाइन शिकायत अब आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर रही है। शिकायत क्रमांक 40391620, दिनांक 3 सितंबर 2026, में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं था। शिकायत का मूल मुद्दा था—शराब दुकानों से आसपास के गांवों में अवैध शराब पहुंचने की जांच, आपूर्ति के स्रोत का पता लगाना, दुकान का स्टॉक एवं बिक्री रिकॉर्ड जांचना तथा अवैध बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करना। शिकायत में यहां तक स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यदि शराब दुकानों के माध्यम से अथवा उनके संरक्षण में अवैध शराब बिक रही है तो इसकी जांच की जाए। साथ ही यह भी जांचने की मांग की गई थी कि कहीं अन्य राज्य अथवा अन्य जिलों से शराब लाकर इन गांवों में अवैध रूप से तो नहीं बेची जा रही है।

लेकिन जांच का दायरा कहां पहुंच गया?- विभाग की 13 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार 12 सितंबर को लखनवाड़ा थाना क्षेत्र में तीन व्यक्तियों के मकान एवं दुकानों की तलाशी ली गई और क्रमशः 14 पाव, 10 पाव एवं 12 पाव मेकडॉवेल्स बरामद होना बताया गया। इन मामलों में शराब जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण कायम करने की बात भी रिपोर्ट में दर्ज है। इसके बाद इसी शिकायत पर 19 सितंबर को एल-2 स्तर पर पुनर्मूल्यांकन रिपोर्ट दर्ज की गई। हैरानी यह कि इस रिपोर्ट में भी जांच की तारीख 12 सितंबर 2026 ही बताई गई है, लेकिन उन्हीं तीन व्यक्तियों के यहां कोई अवैध मादक पदार्थ/पदार्थ बरामद नहीं होना और खाली तलाशी पंचनामा बनाए जाने की बात कही गई है। यानी एक ही शिकायत, एक ही जांच तारीख और उन्हीं स्थानों को लेकर विभागीय रिकॉर्ड में दो अलग-अलग तस्वीर सामने आ रही हैं।

12 सितंबर को आखिर हुआ क्या था?- यह इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सवाल है। यदि 12 सितंबर को शराब बरामद हुई थी और तीन प्रकरण कायम किए गए थे, तो उनके जब्ती पंचनामे, प्रकरण क्रमांक, जब्त शराब और आगे की कार्रवाई का रिकॉर्ड क्या है? और यदि 12 सितंबर की जांच में कुछ भी बरामद नहीं हुआ था तो 13 सितंबर की रिपोर्ट में शराब बरामदगी और प्रकरण कायम किए जाने की जानकारी किस आधार पर दर्ज की गई? इतना ही नहीं, 19 सितंबर को दर्ज रिपोर्ट में भी ह्यआज दिनांक 12/09/2026 को...ह्न लिखे होने पर विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि 19 सितंबर को दर्ज पुनर्मूल्यांकन रिपोर्ट में 12 सितंबर की जांच को किस रूप में पुनः प्रस्तुत किया गया और दोनों रिपोर्टों के बीच अंतर क्यों है।

मूल शिकायत शराब दुकान के खिलाफ

जांच की थी, छोटे विक्रेताओं की नहीं

मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिकायतकर्ता ने किसी छोटे शराब विक्रेता का नाम लेकर शिकायत नहीं की थी। शिकायत का केंद्र कोहका एवं मुंगवानी शराब दुकानें और उनसे आसपास के गांवों में शराब की कथित आपूर्ति थी। ऐसे में केवल कुछ व्यक्तियों के घरों में तलाशी लेकर कार्रवाई दिखाना तभी पूर्ण जांच माना जा सकता है, जब साथ-साथ यह भी पता लगाया गया हो कि— शराब आई कहां से? किस दुकान से आई? किसके स्टॉक से कम हुई? किसके नाम बिक्री दिखाई गई? किस माध्यम से गांव तक पहुंची? और क्या दुकान के स्टॉक एवं बिक्री रिकॉर्ड में कोई अंतर है? यदि इन सवालों की जांच नहीं हुई तो कार्रवाई केवल अवैध शराब के अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्ति तक पहुंचने वाली कार्रवाई बनकर रह जाएगी, जबकि शिकायत का उद्देश्य शराब की कथित आपूर्ति के स्रोत और नेटवर्क तक पहुंचना था। **शराब दुकान के स्टॉक और बिक्री रिकॉर्ड की जांच हुई या नहीं?** शिकायत में स्पष्ट रूप से दुकान का स्टॉक एवं बिक्री रिकॉर्ड जांचने की मांग की गई थी। इसलिए विभाग को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित शराब दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, बिक्री विवरण, परमिट/आपूर्ति रिकॉर्ड और संबंधित अवधि के दस्तावेजों का मिलान किया गया या नहीं। यदि ऐसा किया गया है तो उसके निष्कर्ष रिपोर्ट में क्यों नहीं दिखाई देते? और यदि नहीं किया गया तो शिकायत में उठाए गए इस मूल बिंदु का निराकरण कैसे माना गया? **शिकायत बंद करना आसान, जड़ तक पहुंचना जरूरी-** गांवों में अवैध शराब की समस्या पर कार्रवाई का मतलब केवल दो-चार पाव शराब पकड़कर प्रकरण बनाना नहीं होना चाहिए। यदि वास्तव में किसी शराब दुकान से अवैध तरीके से शराब बाहर निकलकर गांवों तक पहुंच रही है तो सप्लाई करने वाले स्रोत तक पहुंचना ही वास्तविक कार्रवाई होगी। छोटे विक्रेताओं पर कार्रवाई कानूनन अपनी जगह आवश्यक हो सकती है, लेकिन उससे यह सवाल खत्म नहीं होता कि उन्हें शराब मिल कहां से रही है।

यही वह बिंदु है जिस पर आबकारी विभाग को गंभीरता से जांच करनी चाहिए।

अब विभाग से इन सवालों के जवाब अपेक्षित

1. 12 सितंबर की जांच की वास्तविक स्थिति क्या थी?
2. 13 सितंबर की रिपोर्ट में बताई गई शराब की जब्ती और तीन प्रकरणों का रिकॉर्ड कहां है? 3. 19 सितंबर की रिपोर्ट में उसी जांच को अलग निष्कर्ष के साथ क्यों प्रस्तुत किया गया? 4. शिकायत में नाम नहीं होने के बावजूद उन्हीं तीन व्यक्तियों को जांच के लिए चुनने का आधार क्या था? 5. कोहका और मुंगवानी शराब दुकानों के स्टॉक एवं बिक्री रिकॉर्ड की जांच हुई या नहीं? 6. शराब गांवों तक पहुंचने के कथित स्रोत की जांच क्यों नहीं दिखाई दे रही? 7. अन्य जिलों अथवा राज्यों से शराब आने की संभावना की जांच की गई या नहीं? 8. मूल शिकायत के सभी बिंदुओं की जांच किए बिना शिकायत को बंद करना उचित कैसे माना गया? अब मामला केवल एक सीएम हेल्पलाइन शिकायत के निराकरण का नहीं है। सवाल यह है कि यदि शिकायत शराब दुकानों से अवैध शराब की कथित आपूर्ति की जांच के लिए थी, तो जांच की दिशा उसी मूल आरोप की ओर गई या नहीं। विभाग यदि अपनी कार्रवाई को सही मानता है तो 12 सितंबर की दोनों विरोधाभासी तस्वीरों और शराब दुकान के स्टॉक-सप्लाई रिकॉर्ड की जांच का तथ्य सामने रखकर स्थिति साफ कर सकता है।

नीमच में शीघ्र शुरू होगा एयरपोर्ट, सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम का होगा निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को आयोजित ह्यआशीर्वाद का दीयाह्न कार्यक्रम सनातन परंपरा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।



प्रदेश के बजट और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है तथा बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं।

नीमच में एयरपोर्ट और सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतर की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार से जिले के युवाओं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

चीता प्रोजेक्ट को बताया नीमच के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच के खिमला क्षेत्र में मादा चीता को छोड़ा जा रहा है। उन्होंने इसे जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के अग्रणी देशों की कतार में है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा न्यायपालिका एवं संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं समझौतों में भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों और किसानों के हितों को प्राथमिकता दी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक भूमिका निरंतर मजबूत हुई है और देश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नीमच को विभिन्न सौगातें देने तथा चीता प्रोजेक्ट के तहत नीमच को चयनित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गांधी सागर बांध के पानी से किसानों को मिल रहे लाभ और कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव का भी उल्लेख किया। विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने कहा कि भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा एवं श्री वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने अभियान में सहभागी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान, आयुक्त उज्जैन संभाग श्री आशीष सिंह,पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ी मादा चीता राधा



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नीमच-मंदसौर जिले के गांधी सागर वन्य अभयारण्य में मादा चीता राधा को छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में मादा चीता का नामकरण राधा किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ चीता प्रोजेक्ट सफलता के नये मानदण्ड स्थापित कर रहा है। वहीं मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके वन जीवों को पुर्नस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। गत वर्ष छोड़े गये चीतें पूरी तरह स्वस्थ है। गांधी सागर अभयारण्य में एक और चीते का छोड़ जाना मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट चीता के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मादा चीता राधा के गांधी सागर पहुंचने के बाद यहां चीतों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अभयारण्य में पहले से दो नर चीते प्रभास और पावक तथा एक मादा चीता धीरा मौजूद हैं। अब गांधी सागर में दो नर और दो मादा चीते हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, प्रदेश में चीतों की बढ़ती हुई संख्या इसका प्रमाण है। हमारा सौभाग्य है मध्यप्रदेश वन्यजीवों की विविधता से भरपूर है। हमारा प्रदेश चीता स्टेट के साथ टाइगर स्टेट, घड़ियाल स्टेट और गिद्ध स्टेट के रूप में भी जाना जाने लगा है। असम से जंगली भैंसे भी लाएं गए हैं और प्रदेश में गजराज की संख्या भी लगभग 100 हो गई है। गांधी सागर अभयारण्य में छोड़े गए चीतों से वन्यजीव संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों के लिये रोजगार एवं आजीविका के लिये नये अवसर सृजित होंगे। गांधी सागर अभयारण्य में चीता संरक्षण का दायरा और बढ़ाया गया है, मादा चीता राधा को गांधी सागर में बसाया जाना मध्यप्रदेश में प्रोजेक्ट चीता को कूनो से आगे विस्तार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गांधी सागर को चीतों के लिए दूसरे प्रमुख आवास के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां चीतों के स्वास्थ्य, व्यवहार और नये वातावरण में उनके अनुकूलन की लगातार निगरानी वन विभाग की टीम द्वारा की जाएगी। नई मादा चीता के आने से गांधी सागर में चीतों के संरक्षण और भविष्य में चीता प्रजनन की संभावनाओं को और भी तेजी से बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग द्वारा प्रकाशित "सेकंड होम ऑफ "चीता गांधी सागर वाइल्डलाइफ सेंचुरी" बुकलेट का भी विमोचन किया। चीता पुनर्स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में गरोठ विधायक श्री चन्दर सिंह सिसोदिया, मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू और मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव डॉ. समिता राजौरा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश का चीता प्रोजेक्ट एशिया का पहला प्रोजेक्ट है। एशिया से चीते गायब हो गए थे, प्रधानमंत्री श्री मोदी के आशीर्वाद से राज्य सरकार ने संकल्प लिया और चीतों के पुनर्वास का अभियान शुरू किया। प्रदेश में चीतों की संख्या अब लगातार बढ़ती जा रही है। जहां सैकड़ों साल पहले चीतें विलुप्त हो गए थे, वहीं अब वे स्थानीय वातावरण में खेलते-कूदते दिखाई दे रहे हैं। यह वन्य जीवों के प्रति जीयों और जीने दो के सिद्धांत के आधार पर प्राप्त उपलब्धि का प्रतीक है। हमारे जंगल आबाद हो रहे हैं यह हम सब के लिए सौभाग्य का विषय है।

उज्जैन की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक वैभव से रूबरू होंगे युवा इन्फ्लुएंसर



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देवास रोड स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस में बिहार से उज्जैन आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा इन्फ्लुएंसरों से उज्जैन की प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए उनसे सवाल भी किए तथा विभिन्न महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों और स्थलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निमार्णाधीन वीर भारत संग्रहालय, सर्प उद्यान, महाकाल महालोक सहित सिंहस्थ 2028 के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वीर भारत संग्रहालय में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक के महान नायकों की गौरवगाथाओं को एक साथ देखने और समझने का अवसर मिलेगा। संग्रहालय में भारत की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा, वैदिक काल, रामायण एवं महाभारत युग, विक्रमादित्य काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक की महत्वपूर्ण घटनाओं और राष्ट्रनायकों के योगदान को एक समग्र रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नई पीढ़ी को भारत के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्र निर्माण में महान व्यक्तित्वों के योगदान को जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फ्लुएंसर दल को उज्जैन में निमार्णाधीन सर्प उद्यान (स्नेक पार्क) की जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन को 'सर्प मित्र नगरी के रूप में विकसित करने का दृष्टिकोण रखा गया है। सर्प उद्यान केवल पर्यटन का केंद्र नहीं होगा, बल्कि सांपों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक महत्व तथा पर्यावरणीय संतुलन में उनकी भूमिका के प्रति लोगों में जागरूकता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रत्येक जीव की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्पों के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करते हुए उनके संरक्षण और पर्यावरण में उनके योगदान की जानकारी आमजन तक पहुंचाना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिहार से आए युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को उज्जैन की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्ता के साथ-साथ श्री महाकाल महालोक के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने उज्जैन की प्राचीन परंपराओं, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत तथा भगवान महाकाल की नगरी के रूप में इसकी विशिष्ट पहचान से अवगत कराया। बिहार से आए 16 सदस्यीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दल द्वारा उज्जैन प्रवास के दौरान आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के अंतर्गत शहर में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी ली जाएगी। दल द्वारा उज्जैन के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर शहर में चल रहे विकास कार्यों, सिंहस्थ की तैयारियों और उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझने का अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ संवाद के दौरान युवा इन्फ्लुएंसरों ने उज्जैन की ऐतिहासिकता, धार्मिक महत्व, पर्यटन विकास तथा आगामी सिंहस्थ महापर्व से जुड़ी विभिन्न जानकारियों में रुचि दिखाई।

उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर नीति संवाद आज

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के सहयोग से उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर नीति संवाद आयोजित किया जाएगा। ह्लमध्यप्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरणह्व विषय पर होने वाला यह संवाद भोपाल के एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में सुबह 10 बजे से होगा। इसमें नीति-निमार्ता, विषय विशेषज्ञ, वित्तीय संस्थाओं, उद्योग, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी स्वागत उद्बोधन देंगे। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन शुक्ला प्रारंभिक उद्बोधन देंगे। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित तथा कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के.सी. गुप्ता विशेष संबोधन करेंगे।उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण आयुक्त सौरभ कुमार सुमन ह्लमध्यप्रदेश उद्यानिकी-2026 : जिला वर्गीकरण, कमोडिटी क्लस्टर और मूल्य श्रृंखला की कमियांह्व विषय पर प्रस्तुति देंगे। सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के सलाहकार आमिर मनन देवा उत्पादन से समृद्धि तक प्रतिस्पर्धी उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं के निर्माण पर विचार रखेंगे। एपीडा के क्षेत्रीय प्रमुख निशांत बंसोड़ मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और वैश्विक बाजार तक पहुंच के विषय पर प्रस्तुति देंगे। नीति संवाद में तीन पैनल चचाएं प्रस्तावित हैं। पहली चर्चा में मध्यप्रदेश की उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं की संभावनाओं पर विचार होगा। दूसरी चर्चा आधुनिक कृषि के लिए वित्तीय संसाधनों, विभिन्न योजनाओं के अभिसरण, तकनीक और निजी निवेश पर केंद्रित होगी। तीसरी चर्चा में प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से उद्यानिकी क्षेत्र के विकास को गति देने के उपायों पर मंथन किया जाएगा। चचाओं में एपीडा, राष्ट्रीय उद्यानिकी बोर्ड, एमपीआईडीसी, नाबार्ड, सेंट्रल बैंक, डब्ल्यूआरआई-इंडिया, पारले एग्रो, डाबर और जैन इरिगेशन सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके अलावा कृषि-तकनीक संस्थानों, महिला कृषक उत्पादक कंपनी और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी अपने विचार रखेंगे। मुक्त चर्चा के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के प्रतिनिधि अपने सुझाव प्रस्तुत करेंगे। चर्चा में उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, वित्तपोषण, मूल्य संवर्धन और बाजार तक पहुंच से जुड़ी चुनौतियों और संभावित समाधानों पर विचार किया जाएगा।

विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा का ध्येय : इंदर सिंह परमार

भोपाल, एजेंसी। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को समझकर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार परिवार में बच्चों के स्वभाव, रुचि, आदत और व्यवहार को समझकर उनके साथ व्यवहार किया जाता है, उसी तरह प्राध्यापकों को भी विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और आवश्यकताओं को समझते हुए शिक्षण करना चाहिए। विद्यार्थी को समग्रता से समझे बिना शिक्षा अपने व्यापक उद्देश्य को हासिल नहीं कर सकती। मंत्री रविवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के सभागार में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अनुभवात्मक अध्यापक विकास कार्यक्रम के पश्चिम क्षेत्र, भोपाल केंद्र के क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अभिमुखीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक शक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव के आधार पर शिक्षण पद्धतियों का निरंतर विकास समय की आवश्यकता है। परमार ने कहा कि प्राध्यापक केवल विषय का ज्ञान देने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, व्यवहार, संवेदना, कौशल और जीवन मूल्यों के विकास में सहभागी बनें। अनुभवात्मक शिक्षण विद्यार्थियों को ज्ञान को जीवन से जोड़ने और उसे व्यवहार में उतारने की क्षमता देता है। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, जीवन मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि अनुभव से सीखना, विद्यार्थी को समझना और शिक्षा को जीवन से जोड़ना ऐसी शिक्षा का आधार है, जो विद्यार्थी के ज्ञान के साथ उसके व्यवहार, संवेदना, कौशल और व्यक्तित्व का भी विकास करती है। उन्होंने प्राध्यापकों से विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में अहिंदी भारतीय भाषाओं को क्रेडिट के साथ विद्यार्थियों को पढ़ाने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं की विविधता से परिचित कराने के साथ भाषाई एकात्मता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे की संस्कृति, भावनाओं और समाज को समझने का सेतु भी हैं। उन्होंने कहा कि जब मध्यप्रदेश का विद्यार्थी देश की अन्य भारतीय भाषाओं को सीखेगा और आगे शिक्षा, रोजगार या अन्य अवसरों के लिए दूसरे प्रदेश में जाएगा, तो वहां की भाषा के कुछ शब्दों और अभिव्यक्तियों के माध्यम से संवाद में सहजता और अपनत्व महसूस करेगा। इससे विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों और समाजों के बीच परस्पर समझ और आत्मीयता बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती से देशभर में भाषाई एकात्मता का संदेश जाना चाहिए। भारतीय भाषाएं समाज और राष्ट्र को जोड़ने का काम करती हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), नई दिल्ली, अंतर-विश्वविद्यालय शिक्षक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), बीएचयू वाराणसी और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल सह-संयोजक हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचकोशात्मक विकास और पंचपदी शिक्षण पद्धति के माध्यम से प्राध्यापकों को अनुभव आधारित और विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 20 सितंबर को चार सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण किया जा रहा है। इसके बाद 21 से 24 सितंबर तक देशभर से आए प्रतिभागी मध्यप्रदेश में विद्या भारती द्वारा संचालित 31 विद्यालयों में रहकर पंचकोशात्मक शिक्षा और पंचपदी शिक्षण पद्धति का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण एवं अनुभव प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षक-शिक्षाविद और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षक-प्रशिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के.एन. रघुनंदन, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिरंजन अकेला, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गोविंद महंत, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, राष्ट्रीय महामंत्री देशराज शर्मा, एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी, एनसीटीई की दक्षिण क्षेत्रीय समिति की अध्यक्ष प्रो. मीना राजीव चंदावरकर और आईयूसीटीई वाराणसी से डॉ. राजा पाठक सहित अन्य शिक्षक-शिक्षाविद उपस्थित रहे।





गरिमा और सम्मान के साथ मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

भोपाल, एजेंसी। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने एक अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रदेशभर में गरिमा और सम्मान के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने ज्ञान, अनुभव और परिश्रम से परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के लिए संवेदनशील और सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना सभी का दायित्व है। मंत्री ने कहा कि वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए। इनमें वृद्धजनों की अधिकतम और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा उनके साथ संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझा जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धजनों की समस्याओं के समाधान की दिशा में सार्थक पहल भी की जानी चाहिए। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त के.जी. तिवारी ने सभी जिला कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त और उप संचालकों को आयोजन के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्लगरिमा के साथ वृद्धावस्थाः वृद्ध नागरिकों के लिए देखभाल और समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने का महत्वह्व के अनुरूप जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वृद्धाश्रमों में रहने वाले तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान और अभिनंदन किया जाएगा। उनसे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली जाएगी। उनकी सक्रिय सहभागिता और मनोरंजन के लिए कैरम, लूडो, शतरंज, गीत-संगीत सहित विभिन्न इनडोर गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल सेवाओं और कंप्यूटर के उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला चिकित्सालय, सिविल डिस्पेंसरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित होंगे। इनमें रक्तचाप, मधुमेह, नेत्र परीक्षण सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की जाएगी। जिलों में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर ह्लशतायु सम्मानह्व से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें शॉल और श्रीफल भेंट किए जाएंगे। इसके साथ ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 और मध्यप्रदेश नियम-2009 के तहत उपलब्ध अधिकारों, सहायता और शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी भी दी जाएगी।

अतिथि शिक्षक वेतन घोटाले के आरोपी को बचाने का प्रयास, अभी तक दर्ज नहीं एफआईआर

गबन के आरोपी बाबू संदीप कोरी के कारनामों पर संयुक्त संचालक डाल रहे पर्दा



रेवांचल टाइम्स

संयुक्त संचालक जबलपुर ने जिला शिक्षा अधिकारी को किया तलब

8 माह बाद भी पुलिस कार्रवाई की जानकारी गायब

अतिथि शिक्षकों का वेतन डकारने वाले बाबू संदीप कोरी पर नहीं हुई एफआईआर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। अतिथि शिक्षकों के मानदेय में कथित हेराफेरी का मामला अब गरमा गया है। जिस मामले में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ढीमरखेड़ा ने करीब आठ माह पहले पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा था, उसमें अब तक क्या हुआ—इसका जवाब शिक्षा विभाग को ही नहीं मिल पाया है। मामला सामने आने के बाद संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग ने जिला शिक्षा अधिकारी कटनी को तलब करते हुए प्रकरण की अद्यतन स्थिति तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विदित हो कि मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिन्ना पिपरिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-03 संदीप कुमार कोरी से जुड़ा है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ढीमरखेड़ा के पत्र में आरोप लगाया गया था कि विद्यालय में नियुक्त अतिथि शिक्षकों के मानदेय का भौतिक/कागदपूर्ण तरीके से भुगतान करने संबंधित व्यक्तियों के बैंक खातों में किया गया। अब सवाल यह है कि जब विभाग ने मामला पुलिस तक पहुंचा दिया था, तो आज तक कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं है?

बीईओ ने थाने को लिखा था— आवश्यक कार्रवाई करें

प्रकरण में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ढीमरखेड़ा द्वारा 23 दिसंबर 2025 को थाना प्रभारी, थाना ढीमरखेड़ा को पत्र भेजा गया था। पत्र में संदीप कुमार कोरी द्वारा अतिथि शिक्षकों के मानदेय के भुगतान में कथित वित्तीय अनियमितता का उल्लेख करते हुए पुलिस से आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। लेकिन इसके बाद मामला जैसे पत्राचार में दब गया।

संयुक्त संचालक की चिट्ठी ने खोली कार्रवाई की पोल

अब जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक लोक शिक्षण कार्यालय ने 19 अगस्त 2026 को जिला शिक्षा अधिकारी कटनी को पत्र जारी किया है। पत्र क्रमांक /सतर्कता/कटनी/2026/4637 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा द्वारा प्रकरण में की गई कार्रवाई संबंधी जानकारी आज दिनांक तक अप्राप्त है। संयुक्त संचालक ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे तत्काल प्रकरण की अद्यतन स्थिति प्राप्त कर कार्यालय में प्रस्तुत करें। यानी विभागीय स्तर पर अब यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि आखिर दिसंबर 2025 में पुलिस को भेजे गए पत्र का हुआ क्या?

आठ महीने बाद वरिष्ठ अधिकारी की एंट्री

दिसंबर 2025 में थाने को पत्र भेजे जाने के बाद अगस्त 2026 में संयुक्त संचालक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से रिपोर्ट तलब किए जाने से यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब देखना होगा कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संयुक्त संचालक को भेजी जाने वाली रिपोर्ट में पुलिस कार्रवाई की क्या स्थिति सामने आती है और कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में असली कदम क्या होता है। एक ओर विभागीय पत्र में गंभीर वित्तीय अनियमितता के आरोपों का उल्लेख है, दूसरी ओर पुलिस कार्रवाई को जानकारी अब तक शिक्षा विभाग तक नहीं पहुंची। ऐसे में आतिथि शिक्षकों के मानदेय से जुड़े इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक होना जरूरी है। अब निगाहें जिला शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट और पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी/ ढीमरखेड़ा। अतिथि शिक्षकों के मानदेय में कथित हेराफेरी के मामले में पुलिस कार्रवाई अब सवालों के घेरे में है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ढीमरखेड़ा द्वारा 23 दिसंबर 2025 को थाना प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजे जाने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं होने की जानकारी सामने आई है। मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिन्ना पिपरिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-03 संदीप कुमार कोरी से जुड़ा है।

रेवांचल टाइम्स फालोअप

विभागीय पत्र में अतिथि शिक्षकों के मानदेय का कथित रूप से संदिग्ध एवं कपटपूर्ण तरीके से भुगतान स्वयं तथा संबंधित व्यक्तियों के बैंक खातों में किए जाने का उल्लेख किया गया था। प्रकरण को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब करीब आठ माह पहले ही शिक्षा विभाग ने पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेज दिया था, तो अब तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हुई। इस बीच मामले को विभागीय जांच के नाम पर आगे बढ़ाए जाने की बात सामने आ रही है। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि पुलिस कार्रवाई के लिए भेजे गए गंभीर वित्तीय अनियमितता के प्रकरण में विभागीय जांच को आधार बनाकर कार्रवाई को टाला तो नहीं जा रहा है। मामले में 19 अगस्त 2026 को संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी के कार्यालय से जिला शिक्षा अधिकारी कटनी को पत्र जारी किया गया था। पत्र क्रमांक /सर्तकता/कटनी/2026/4637 में स्पष्ट किया गया कि थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा द्वारा प्रकरण में की गई कार्रवाई संबंधी जानकारी कार्यालय को आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई है। संयुक्त संचालक ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रकरण की अद्यतन स्थिति तत्काल प्राप्त कर कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक एफआईआर नहीं होने की स्थिति ने विभागीय कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप यह भी है कि प्रकरण में कार्रवाई सुनिश्चित करने के बजाय विभागीय जांच का हवाला देकर मामले को लंबा खींचा जा रहा है। यदि विभाग के पास मानदेय भुगतान में अनियमितता से संबंधित दस्तावेज और रिकॉर्ड मौजूद हैं तथा बीईओ द्वारा पुलिस को लिखित शिकायत भेजी जा चुकी है, तो पुलिस को अब तक कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए थी। वहीं विभागीय स्तर पर भी यह बताना जरूरी है कि जांच किस अधिकारी के पास है, जांच कब से लंबित है और अब तक उसके आधार पर क्या निष्कर्ष निकला है।

जेडी घनश्याम सोनी की भूमिका संदिग्ध

मामले में संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। शिकायत से जुड़े प्रकरण में आठ माह बाद पुलिस कार्रवाई की जानकारी मांगने के बावजूद एफआईआर नहीं होना और विभागीय जांच के नाम पर प्रक्रिया आगे बढ़ना पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े करता है। हालांकि किसी अधिकारी द्वारा आरोपी को संरक्षण दिए जाने की पुष्टि जांच या उपलब्ध दस्तावेजों से ही हो सकती है। ऐसे में पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। अब देखना यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संयुक्त संचालक को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट में पुलिस कार्रवाई की वास्तविक स्थिति क्या बताई जाती है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि 23 दिसंबर 2025 को पुलिस को भेजे गए पत्र के बाद थाना स्तर पर क्या कार्रवाई हुई, एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई और विभागीय जांच की वर्तमान स्थिति क्या है। अतिथि शिक्षकों के मानदेय से जुड़े इस मामले में संबंधित अभिलेख सार्वजनिक होने और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब लिए जाने के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।



संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई सीएम राइज कन्या विद्यालय की छात्राएं

रेवांचल टाईम्स, पन्ना। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के तहत सीएम राइज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज की छात्राओं ने क्रिकेट में जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद पन्ना जिले से चयनित एकमात्र 14 सदस्यीय टीम संभागीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। संभागीय स्तर की 20-20 क्रिकेट प्रतियोगिता छतरपुर जिले के बक्सवाहा में आयोजित हो रही है। रवाना होने से पूर्व खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार ने छात्राओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय, अमानगंज नगर एवं पन्ना जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्राचार्य मनीष रेजा, मंडल संगठन के उपाध्यक्ष एवं पत्रकार अमित द्विवेदी, पत्रकार संदीप तिवारी तथा खेलकूद प्रभारी आशीष खरे और शैलेंद्र तिवारी सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

इंदौर में राहुल गांधी से मिले पन्ना जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में शनिवार 19 सितंबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगमन पर कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल रहा। इसी दौरान जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष अनीश खान कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ इंदौर पहुंचे और होटल रेडिसन में राहुल गांधी से आत्मीय मुलाकात कर उनका स्वागत किया। राहुल गांधी इंदौर में आयोजित ह्लछात्रों की गूंजह्व कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद किया तथा शिक्षा, भर्ती प्रक्रिया और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर उनकी बात सुनी। कार्यक्रम में युवाओं ने अपनी समस्याओं और भविष्य को लेकर चिंताओं से राहुल गांधी को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान अनीश खान ने पन्ना जिले से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि युवाओं की शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दे वर्तमान समय में महत्वपूर्ण हैं और इन विषयों पर युवाओं की आवाज को प्रमुखता से उठाया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर पन्ना जिले से पहुंचे कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह देखने को मिला।

विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में सख्त निर्देश

बड़े बकायादारों से वसूली तेज करने और बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के कटनी दक्षिण संभाग अंतर्गत विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक जनपद पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अधीक्षण अभियंता डी.एन. चौकीकर एवं दक्षिण संभाग की कार्यपालन अभियंता श्रीमती शैलजा सिंह चौहान ने बहोरीबंद, बाकल, स्लीमनाबाद, तेवरी एवं बचैया वितरण केंद्रों के सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं, लाइनमैन एवं आउटसोर्स कर्मचारियों से विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में मुख्य रूप से बिजली बिलों की बकाया राशि की वसूली, राजस्व वृद्धि, लाइन लॉस कम करने, विद्युत चोरी पर कार्रवाई तथा उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बड़े बकायादार उपभोक्ताओं के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर नियमानुसार कार्रवाई करने और बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता ने निर्देशित किया कि तीन माह से अधिक समय से बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वसूली सुनिश्चित की जाए। बड़े बकायादारों के प्रकरणों में डीआरए के तहत आवश्यक कार्रवाई कर रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश भी दिए गए।

बिजली चोरी पर कार्रवाई और पंचनामे बनाने के निर्देश

समीक्षा बैठक में विद्युत चोरी के मामलों को चिह्नित कर नियमानुसार पंचनामा तैयार करने तथा राजस्व वसूली बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक वितरण केंद्र अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करे और मैदानी अमला नियमित रूप से क्षेत्र में सक्रिय रहकर बिजली चोरी एवं अनियमितताओं पर नजर रखे। इसके अलावा खराब मीटरों को बदलने, फेल ट्रांसफार्मरों की मरम्मत एवं प्रतिस्थापन, नए विद्युत कनेक्शन जारी करने तथा लाइन लॉस कम करने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कृषि पंपों की टीसी सूची 2026-27 पर कार्य करने तथा लाइनमैनवार बकाया राशि की वसूली निर्धारित समय-सीमा में करने के निर्देश दिए गए। **लाइनमैन एवं मीटर रीडरों के लिए लक्ष्य निर्धारित**- कार्यपालन अभियंता श्रीमती शैलजा सिंह चौहान ने मैदानी कर्मचारियों को प्रतिदिन निर्धारित मुख्यालय क्षेत्र में सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने लाइनमैनों को बकाया वसूली में तेजी लाने तथा मीटर रीडरों के लिए नए कनेक्शन संबंधी निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने सभी लाइनमैन एवं हेल्परों को विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने की हिदायत दी। विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि कंपनी के कार्यों को मिशन के रूप में लेकर पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करना सराहनीय है। बैठक में सहायक अभियंता दिलदार डावर, कनिष्ठ अभियंता राम कुमार सेन, आनंद प्रजापति, संत राम पनिका सहित विभिन्न वितरण केंद्रों के अधिकारी, कर्मचारी, लाइनमैन एवं आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।



डिजिटल IT एकेडमी पर प्रोडक्ट बेचने का आरोप

कंप्यूटर कोर्स के नाम पर युवाओं से हजारों रुपए ठगे

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र की जागृति कॉलोनी में स्थित डिजिटल आईटी एकेडमी पर गंभीर आरोप लगे हैं। एकेडमी पर कंप्यूटर कोर्स के नाम पर दर्जनों युवक-युवतियों से हजारों रुपए ठगने और बाद में उन पर प्रोडक्ट बेचने का दबाव बनाने का आरोप है।



ठगी का शिकार हुए छात्र-छात्राओं ने शनिवार को एनकेजे थाना पहुंचकर संस्थान के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी फीस वापसी और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित विद्यार्थियों ने पुलिस को बताया कि एडमिशन के समय एकेडमी प्रबंधन ने कोर्स की उपयोगिता, प्रमाण-पत्र और भविष्य में नौकरी के बड़े-बड़े सपने दिखाए थे। छात्रों से 6 महीने के कंप्यूटर कोर्स के लिए 13,500 रुपए और एक साल के कोर्स के लिए 20,000 रुपए तक लिए गए। **प्रमाण-पत्र फर्जी या अमान्य हो सकते हैं**- छात्रों का आरोप है कि एडमिशन के बाद संस्थान की असलियत सामने आई, तो वे हैरान रह गए। एकेडमी में पढ़ाई कराने के बजाय अब विद्यार्थियों पर नेटवर्किंग या प्रोडक्ट बेचने का दबाव बनाया जा रहा है। इसके साथ ही, कोर्स पूरा होने पर दिए जाने वाले प्रमाण-पत्रों की सरकारी या शैक्षणिक मान्यता पर भी छात्रों को शक है। छात्रों को आशंका है कि ये प्रमाण-पत्र फर्जी या अमान्य हो सकते हैं। पीड़ितों ने शिकायत में बताया कि यह एकेडमी आसपास के स्कूल-कॉलेजों के सीधे-साधे युवाओं को निशाना बना रही है। उन्हें गलत जानकारी और लुभावने दावों के जाल में फंसाकर मोटी फीस वसूली जा रही है। एनकेजे थाना पहुंचे नाराज युवाओं ने पुलिस से गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि इस फजीर्वाड़े में शामिल संस्थान की निष्पक्ष जांच की जाए। विद्यार्थियों की जमा की गई फीस पूरी तरह वापस कराई जाए। साथ ही, युवाओं का भविष्य बर्बाद करने वाली संस्था और उसके संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

पन्ना पुलिस ने अंतरजिला चोर गिरोह के छह आरोपी पकड़े, 10 वारदातों का खुलासा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पन्ना पुलिस ने सूने मकानों, निमार्णाधीन भवनों और शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को निशाना बनाने वाले अंतरजिला चोर गिरोह के छह आरोपियों को सतना और रीवा से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों से पूछताछ में देवेन्द्रनगर और गुनौर थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की 10 वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 30 नग प्लाई, 20 बोरी गेहूं, चार बोरी चावल और तीन हजार रुपये नगद सहित वारदात में प्रयुक्त अर्टिगा कार, पिकअप वाहन और अपाचे मोटरसाइकिल जब्त की गई है। जब्त मशरूके की कुल कीमत करीब 16 लाख 82 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान के मार्गदर्शन तथा देवेन्द्रनगर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संतोष सिंह यादव और गुनौर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलबीर सिंह के नेतृत्व में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था। आरोपियों की पहचान के लिए साइबर सेल पन्ना को भी टीम में शामिल किया गया। पुलिस टीमों ने घटनास्थलों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण करने के साथ संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने सतना और रीवा जिले के छह संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने देवेन्द्रनगर और गुनौर थाना क्षेत्रों में चोरी की विभिन्न वारदातों में शामिल होना स्वीकार किया। देवेन्द्रनगर क्षेत्र में अर्टिगा कार चोरी का प्रयास, बड़ागांव में सूने घर से आभूषण और नगदी चोरी, सिलगी तथा गिरवारा में निमार्णाधीन भवनों से प्लाई और लोहे की सामग्री चोरी तथा गोल्ही मुड़िया स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है। इसी तरह आरोपियों ने गुनौर थाना क्षेत्र के सिली गुनौर, लुहर, हरदुहाई, भटगवां और पटना कला में भी चोरी की वारदातों में शामिल होना स्वीकार किया है। पुलिस द्वारा इन सभी मामलों में अलग-अलग तरदीक और विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान और वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में शिवम पटेल पिता राम मनोहर पटेल उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम नंदहा थाना नागौद जिला सतना, हाल ढेकहा जिला रीवा, अमन उर्फ नसीम खान उम्र 22 वर्ष निवासी ढेकहा जिला रीवा, टीआई उर्फ राजेश पटेल पिता रामराज पटेल उम्र 29 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 05 ढेकहा थाना सिविल लाइन जिला रीवा, अमर पटेल पिता रामराज पटेल उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 05 ढेकहा थाना सिविल लाइन जिला रीवा, अनुज विश्वकर्मा पिता राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम नंदहा थाना नागौद जिला सतना तथा अजय पाठक पिता रामकृष्ण पाठक उम्र 31 वर्ष निवासी बम्होरी थाना सेमरिया जिला रीवा, हाल ढेकहा जिला रीवा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 30 नग प्लाई, जिसकी कीमत करीब 53 हजार रुपये, 20 बोरी गेहूं और चार बोरी चावल, जिनकी कीमत करीब 26 हजार रुपये, तीन हजार रुपये नगद, करीब पांच लाख रुपये कीमत की अर्टिगा कार, करीब 10 लाख रुपये कीमत का पिकअप वाहन और एक अपाचे मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

नवीन राशन पात्रता पर्ची के लिए परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी अनिवार्य

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत नवीन पात्रता पर्ची जारी करने के लिए कटनी जिले में प्रतीक्षा सूची में दर्ज परिवारों के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। जिले में कुल 11,247 सदस्य नवीन राशन पात्रता पर्ची की प्रतीक्षा सूची में दर्ज हैं। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद ही नवीन पात्रता पर्ची जनरेट हो सकेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि हितग्राहियों को अपने परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी निकटतम शासकीय उचित मूल्य दुकान पर पीओएस मशीन के माध्यम से करानी होगी। ई-केवाईसी नहीं होने के कारण नवीन पात्रता पर्ची जारी नहीं हो पा रही है तथा पुरानी पात्रता पर्ची में नवीन सदस्यों के नाम भी नहीं जुड़ पा रहे हैं। तहसील एवं स्थानीय निकायवार लंबित ई-केवाईसी में बड़वारा 1,808, बहोरीबंद 744, ढीमरखेड़ा 1,332, कटनी ग्रामीण 1,509, रीठी 358, विजयराघवगढ़ 1,685, कटनी नगर 3,595, बरही नगर परिषद 46, कैमोर नगर परिषद 98 तथा विजयराघवगढ़ नगर परिषद 72 हितग्राही शामिल हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि विगत छह माह एवं इससे पूर्व नवीन राशन पात्रता पर्ची जारी कराने के लिए स्थानीय निकाय अथवा ग्राम पंचायत के माध्यम से एम-राशन मित्र पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने वाले सभी हितग्राही अपनी समीपस्थ शासकीय उचित मूल्य दुकान पर जाकर आधार कार्ड एवं समग्र आईडी के साथ परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी तत्काल पूर्ण कराएं। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद ही नवीन पात्रता पर्ची तथा पात्रता पर्ची में नवीन सदस्यों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

मुख्य लिपिक राकेश दुबे को पदोन्नति पर दी गई भावभीनी विदाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में पदस्थ मुख्य लिपिक राकेश दुबे के शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रार पद पर पदोन्नति होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ ने उपस्थित होकर श्री दुबे को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने श्री दुबे के कार्यकाल को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, लगन और जिम्मेदारी के साथ किया। उनके कार्य व्यवहार, सहयोगी भावना एवं प्रशासनिक दक्षता से महाविद्यालय के कार्यों के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने श्री दुबे के उज्ज्वल भविष्य एवं नवीन दायित्व में सफलता की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री दुबे के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उनके सरल, सहज एवं सहयोगात्मक व्यक्तित्व की सराहना की।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

शालाओं को निपुण बनाने के लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें: कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में जिले में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, निपुण शालाओं, ड्रॉप आउट बच्चों, आधार कैंप, स्मार्ट क्लास, पेंशन प्रकरण सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा विभागीय दायित्वों में गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पिछले वर्ष जिले की 68 शालाओं को निपुण बनाया गया है। जबकि इस शैक्षणिक सत्र में 125 शालाओं को निपुण बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने डाइट एवं डीपीसी को लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने सांदीपनि विद्यालयों में मर्ज की गई शालाओं के शिक्षकों से सांदीपनि विद्यालयों में अध्यापन कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को मर्ज किए गए शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन भुगतान नहीं करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संकुल प्राचार्यों द्वारा शिक्षकों की उपस्थिति के आधार पर वेतन भुगतान की प्रक्रिया की समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया गया।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

दूषित कुएं का पानी पीने को मजबूर ग्रामीण, एक-दो दिन के अंतराल में महज 10-15 मिनट पानी मिलने का दावा

पांच साल पहले भूमि पूजन, आज तक कुएं की एक ईंट भी नहीं लगी; सिरसाही टोला में जल जीवन मिशन की हकीकत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। ग्रामीण परिवारों के घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई नल-जल व्यवस्था और जल जीवन मिशन का मकसद लोगों की दूर-दराज के कुओं, तालाबों और हैंडपंपों पर निर्भरता कम करना है। लेकिन जनपद पंचायत मोहगांव की ग्राम पंचायत पिपरिया रैयत के सिरसाही टोला से सामने आ रही स्थिति इन उद्देश्यों के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर रही है। सूत्रों और ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरसाही टोला में आज भी पेयजल की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि पुराने कुएं के पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता है, जबकि जिस नए कुएं का वर्ष 2021 में भूमि पूजन किया गया था, उसका निर्माण वर्ष 2026 तक शुरू नहीं हो सका।

2021 में भूमि पूजन हुआ, निर्माण कहां गया?

ग्रामीणों के मुताबिक जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के माध्यम से अधिकारियों की मौजूदगी में नए कुएं के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया था। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि वर्षों पुरानी पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। लेकिन लगभग पांच वर्ष बाद भी नया जलस्रोत तैयार नहीं हो पाया है।

भूमि पूजन के बाद आखिर कहां अटका निर्माण? यदि नए कुएं का निर्माण प्रस्तावित था और उसके लिए बाकायदा भूमि पूजन किया गया था, तो फिर निर्माण शुरू क्यों नहीं हुआ? यह सवाल अब ग्रामीणों के बीच उठ रहा है। ग्रामीण जानना चाहते हैं कि भूमि पूजन के बाद संबंधित पंचायत और विभाग ने इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए क्या कार्रवाई की।

जवाब मांगते सवाल

क्या कुएं के निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई थी? क्या तकनीकी स्वीकृति और राशि मंजूर की गई थी? क्या निर्माण के लिए कार्यादेश जारी किया गया था? यदि कार्यादेश हुआ तो निर्माण शुरू क्यों नहीं हुआ? यदि कोई तकनीकी या प्रशासनिक अड़चन थी तो उसे दूर करने के लिए क्या प्रयास किए गए? बरसाती नाले से पुराने कुएं के पानी की गुणवत्ता पर चिंता सिरसाही टोला में मौजूद पुराने कुएं की स्थिति भी ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बताया जा रहा है कि कुएं के किनारे से एक बरसाती नाला गुजरता है और बारिश के दौरान नाले का पानी कुएं तक पहुंचने की स्थिति बनती है। ग्रामीणों का कहना है कि वे इसी जलस्रोत पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में संबंधित विभाग द्वारा पानी की गुणवत्ता की जांच कराया जाना जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पानी पीने योग्य है या नहीं। यदि जांच में पानी दूषित पाया जाता है तो तत्काल सुरक्षित वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

नल है, लेकिन पर्याप्त पानी नहीं मिलने का दावा- जल जीवन मिशन के तहत गांव में नल कनेक्शन की व्यवस्था होने की बात कही गई है, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार इससे पर्याप्त राहत नहीं मिल रही। स्थानीय स्तर से मिली जानकारी के मुताबिक पानी की आपूर्ति कई बार एक-दो दिन के अंतराल में होती है और केवल 10 से 15 मिनट तक पानी मिल पाता है। 5 वर्ष भूमि पूजन के बाद बीते 10-15 मिनट पानी मिलने का ग्रामीणों का दावा 2021-2026 नए कुएं का इंतजार एक हैंडपंप और दूसरा कुआं भी पर्याप्त विकल्प नहीं ग्रामीणों के अनुसार गांव में एक हैंडपंप और एक अन्य कुआं भी मौजूद है, लेकिन दूरी के कारण इनका नियमित उपयोग सभी ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक नहीं है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर जलस्रोत मौजूद होने के बावजूद सिरसाही टोला की पेयजल समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

क्या सिर्फ भूमि पूजन से खत्म हो जाती है पानी की समस्या?- ग्रामीणों के लिए भूमि पूजन समाधान नहीं, बल्कि निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद होता है। यदि पांच वर्ष बाद भी निर्माण शुरू नहीं हुआ है तो यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि योजना किस स्तर पर अटकी और इसके लिए जिम्मेदार विभागों ने अब तक क्या कदम उठाए।

2021 से 2026 तक की पूरी प्रक्रिया की जांच की मांग- ग्रामीणों की मांग है कि वर्ष 2021 में हुए भूमि पूजन से लेकर वर्तमान स्थिति तक नए कुएं से संबंधित पूरी प्रक्रिया की जांच और जानकारी सार्वजनिक की जाए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि योजना वास्तव में किस चरण तक पहुंची और निर्माण न होने का कारण क्या रहा।



रिकॉर्ड सामने आए तो स्थिति होगी स्पष्ट

प्रशासकीय स्वीकृति की स्थिति तकनीकी स्वीकृति और लागत, स्वीकृत या जारी राशि का विवरण, कार्यादेश जारी हुआ या नहीं, निर्माण एजेंसी अथवा क्रियान्वयन संस्था यदि कोई भुगतान हुआ तो उसका पूरा विवरण, कार्य शुरू न होने का दर्ज कारण, वर्तमान स्थिति और निर्माण की प्रस्तावित समयसीमा, ग्रामीणों की मांग- पहले सुरक्षित और नियमित पानी सिरसाही टोला के ग्रामीणों की प्राथमिक मांग स्वच्छ और नियमित पेयजल की है। वे चाहते हैं कि पुराने कुएं के पानी की तत्काल जांच कराई जाए, बरसाती नाले का पानी कुएं में जाने से रोकने के उपाय किए जाएं और नया जलस्रोत तैयार होने तक वैकल्पिक पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही नल-जल व्यवस्था के तहत पानी की आपूर्ति नियमित और पर्याप्त करने तथा वर्ष 2021 में भूमि पूजन किए गए कुएं के निर्माण की स्पष्ट समयसीमा बताने की मांग भी सामने आ रही है।

पांच साल का सवाल-सिरसाही टोला को साफ पानी कब? यदि नए कुएं के भूमि पूजन के वर्षों बाद भी ग्रामीण पुराने जलस्रोत पर निर्भर हैं, तो यह योजना के क्रियान्वयन और जवाबदेही से जुड़ा गंभीर सवाल है। अब ग्रामीणों को आश्वासन के बजाय सुरक्षित पेयजल और निर्माण की स्पष्ट स्थिति का इंतजार है। इस समाचार में पानी की आपूर्ति, पुराने कुएं की स्थिति और प्रस्तावित नए कुएं के संबंध में वर्णित बातें ग्रामीणों एवं स्थानीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी पर आधारित हैं। संबंधित विभाग का आधिकारिक पक्ष और अभिलेख सामने आने पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग सिरसाही टोला की पेयजल समस्या को गंभीरता से लेकर पुराने कुएं के पानी की जांच, नियमित जलापूर्ति और प्रस्तावित कुएं के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाता है या ग्रामीणों का इंतजार आगे भी जारी रहता है।

सारसडोली आंगनवाड़ी पर गंभीर सवाल सहायिका की कथित गैरहाजिरी से शराब के आरोप तक, अब रिकॉर्ड खोलेगा सच



दैनिक रेवांचल टाईम्स मंडला/भुआ-बिछिया। महिला एवं बाल विकास परियोजना बिछिया के अंतर्गत संचालित सारसडोली आंगनवाड़ी केंद्र की सहायिका को लेकर ग्रामीणों की शिकायतें अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। ग्रामीणों ने संबंधित सहायिका पर लंबे समय से कथित रूप से केंद्र से अनुपस्थित रहने, कार्यप्रणाली में लापरवाही तथा शराब के नशे में रहने जैसे आरोप लगाए हैं। महत्वपूर्णः शराब सेवन सहित सहायिका के विरुद्ध लगाए गए आरोप ग्रामीणों की शिकायत पर आधारित हैं। इनकी स्वतंत्र अथवा आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। आरोप सही हैं या गलत, इसका निर्धारण सक्षम विभाग की निष्पक्ष जांच के बाद ही हो सकता है। **बिना अनुमति लंबे समय तक अनुपस्थिति का आरोप**- ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित सहायिका लंबे समय से आंगनवाड़ी केंद्र में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रही थीं। ऐसे में ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक अनुपस्थित रहा तो विभागीय स्तर पर उसकी उपस्थिति, अवकाश और केंद्र संचालन की निगरानी किस तरह की गई? ग्रामीणों ने संबंधित अवधि की उपस्थिति पंजी, अवकाश आवेदन, अवकाश स्वीकृति, निरीक्षण रिपोर्ट और विभागीय पत्राचार की जांच कराने की मांग की है। **17 सितंबर को एसडीएम ने किया आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण**-प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 सितंबर 2026 को एसडीएम बिछिया कुलदीप पटेल, आईएएस ने सारसडोली स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। ग्रामीणों के अनुसार निरीक्षण के दौरान संबंधित सहायिका को केंद्र में उपस्थित होकर कार्य करने के मौखिक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद ग्रामीणों का सवाल है कि यदि अनुपस्थिति को लेकर पहले से शिकायतें सामने आ रही थीं तो विभागीय स्तर पर अब तक क्या कार्रवाई की गई और संबंधित कर्मचारी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था अपनाई गई? **शराब के नशे में रहने का आरोप, जांच से ही सामने आएगी वास्तविकता**-ग्रामीणों ने सहायिका पर शराब के नशे में रहने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी अधिकृत विभागीय जांच का ऐसा निष्कर्ष सामने आया है। इसलिए इसे स्थापित तथ्य के बजाय ग्रामीणों द्वारा लगाई गई शिकायत के रूप में ही देखा जाना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस तरह की शिकायतें विभाग को प्राप्त हुई हैं तो नियमानुसार जांच कर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। आंगनवाड़ी केंद्र में बेहद कम उम्र के बच्चों की देखभाल होती है, इसलिए केंद्र की व्यवस्था, नियमित उपस्थिति और जिम्मेदार कार्यप्रणाली महत्वपूर्ण है। **ग्राम सभा में सेवा समाप्ति का प्रस्ताव पारित होने का दावा**-ग्रामीणों का दावा है कि संबंधित सहायिका के मामले को लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभा आयोजित की गई थी और उसमें उनकी सेवा समाप्त किए जाने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था। **अब सबसे बड़ा सवाल**- क्या वास्तव में ग्राम सभा में ऐसा प्रस्ताव पारित किया गया था? यदि हां, तो प्रस्ताव की प्रमाणित प्रति कहां है? क्या इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को भेजा गया और विभाग ने उस पर क्या कार्रवाई की? ग्रामीणों ने ग्राम सभा की कार्यवाही और प्रस्ताव की प्रमाणित प्रति के साथ उससे संबंधित विभागीय पत्राचार की भी जांच कराने की मांग की है। **परियोजना कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी उठाए सवाल**- मामले के साथ ग्रामीणों ने महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि परियोजना क्षेत्र में कुछ कर्मचारियों को पूर्व में नोटिस अथवा सेवा समाप्ति संबंधी कार्रवाई का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में कुछ मामलों में उन्हें पुनः कार्य करने का अवसर अथवा पदस्थापन मिला। इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों की मांग है कि यदि ऐसे मामले रहे हैं तो पूर्व में जारी नोटिस, सेवा समाप्ति संबंधी आदेश, पुनः कार्य पर लिए जाने से संबंधित आदेश, उपस्थिति रजिस्टर और निरीक्षण रिपोर्ट की जांच की जाए। **सरकारी रिकॉर्ड बताएगा शिकायतों में कितना दम**- पूरे मामले में जांच का सबसे महत्वपूर्ण आधार सरकारी रिकॉर्ड हो सकता है। संबंधित अवधि के अभिलेख सामने आने पर शिकायतों और वास्तविक स्थिति का मिलान किया जा सकता है। **उपस्थिति पंजी**- केंद्र पर वास्तविक उपस्थिति, अवकाश रिकॉर्ड, आवेदन एवं स्वीकृति, निरीक्षण रिपोर्ट, अधिकारियों के निरीक्षण का रिकॉर्ड, ग्राम सभा प्रस्ताव, प्रमाणित कार्यवाही की जांच, जांच में इन सवालों का जवाब जरूरी सहायिका की वास्तविक उपस्थिति का रिकॉर्ड क्या कहता है? अनुपस्थिति की अवधि में कोई स्वीकृत अवकाश था या नहीं? केंद्र का विभागीय निरीक्षण कब-कब किया गया? ग्रामीणों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई? क्या ग्राम सभा ने सेवा समाप्ति का प्रस्ताव पारित किया था? यदि प्रस्ताव विभाग तक पहुंचा तो उस पर क्या निर्णय लिया गया? पूर्व विभागीय कार्रवाई और वर्तमान पदस्थापना से संबंधित रिकॉर्ड क्या कहता है?

बच्चों की सुरक्षा और केंद्र की व्यवस्था सर्वोपरि

ग्रामीणों का कहना है कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल सरकारी भवन नहीं है, बल्कि छोटे बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए केंद्र में पदस्थ कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति और जिम्मेदार कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष और दस्तावेज आधारित जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि उद्देश्य किसी कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाना नहीं, बल्कि शिकायतों की वास्तविकता सामने लाना और आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्था सुचारु करना है।

26 अगस्त को खेत में मिले थे

युवक-युवती दोनों के पैर जले मिले मौत के बाद पुलिस ने तेज की जांच तकनीकी साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना नैनपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम खीरसारु भरवेली गांव में 26 अगस्त को खेत में बेहोशी की हालत में मिले युवक-युवती के मामले ने अब गंभीर और खौफनाक मोड़ ले लिया है। पुलिस जांच के मुताबिक युवक-युवती के साथ पहले मारपीट की गई और इसके बाद उन्हें करंट लगाया गया। दोनों के बेहोश होने के बाद अलग-अलग दिशा में फेंक दिए जाने का आरोप है। घटना में गंभीर रूप से घायल अभिषेक धुर्वे (25), निवासी टाला, थाना केवलारी, जिला सिवनी ने इलाज के दौरान 16 सितंबर को नागपुर में दम तोड़ दिया।

खेत में मिले थे दोनों, जले थे पैर- 26 अगस्त की सुबह खीरसारु भरवेली के एक खेत में युवक और युवती बेहोशी की हालत में मिले थे। दोनों के पैरों पर करंट से जलने के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने दोनों को 112 वाहन से सिविल अस्पताल नैनपुर पहुंचाया। उपचार के दौरान दोनों ने मारपीट के बाद करंट लगाए जाने की बात बताई थी। इसके बाद परिजन दोनों को बेहतर इलाज के लिए बाहर ले गए। अभिषेक की हालत गंभीर बनी रही और आखिरकार नागपुर में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

खीरसारु में खौफनाक वारदात का खुलासा!

प्रेमी जोड़े को पहले बेरहमी से पीटा, फिर लगाया करंट! बेहोश होने पर खेतों में फेंका-युवक ने नागपुर में तोड़ा दम, नैनपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा



मौत के बाद खुलने लगी वारदात की परतें- युवक की मौत के बाद मामला महज मारपीट या दुर्घटना तक सीमित नहीं रहा। पुलिस ने घटनाक्रम की नए सिरे से पड़ताल शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ और उपलब्ध तथ्यों को जोड़ते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस के अनुसार जांच में ग्राम खीरसारु भरवेली के ही तीन लोगों की भूमिका सामने आई। इसके बाद पुलिस ने चमरा उर्फ भूरा (56), शुकलु उर्फ सुशील मरावी (30) और लालसिंग उर्फ नरबद (27) को गिरफ्तार कर लिया।

घर से खेत तक बिजली कनेक्शन!- पुलिस जांच के अनुसार आरोप है कि युवक-युवती के गांव आने को लेकर आरोपियों ने उनसे मारपीट की। इसके बाद चमरा उर्फ भूरा ने अपने घर से कनेक्शन लेकर खेत में दोनों को करंट लगाया। पुलिस के मुताबिक दोनों के बेहोश हो जाने के बाद उन्हें अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों की विवेचना की जा रही है। **सामाजिक संगठन ने पहले ही उठाई थी आवाज**- घटना के बाद सामाजिक संगठन ने पिंडरई चौकी में ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। संगठन ने युवक-युवती के साथ बेरहमी से मारपीट कर उन्हें खेत में फेंके जाने की आशंका जताई थी। युवक की मौत के बाद संगठन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धरना-प्रदर्शन की तैयारी की थी। पुलिस द्वारा तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद प्रस्तावित आंदोलन वापस ले लिया गया।

हत्या की धारा में मामला दर्ज

नैनपुर थाने में अपराध क्रमांक 444/2026 के तहत बीएनएस की धारा 103(1) हत्या, 109(1) प्राणघातक हमला, 115(2) मारपीट एवं धारा 3(5) सहित प्रासंगिक धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। **पुलिस टीम की सक्रियता से खुला मामला**- पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव वर्मा के मार्गदर्शन में एसडीओपी नैनपुर मनीष राज, थाना प्रभारी मंशाराम बघेल, पिंडरई चौकी प्रभारी अंशुल गुप्ता, एसआई खुशबू बिसेन, एसआई राजकुमार हिरणकरे, अवधेश प्यासी, सलुग भावड़े, आरक्षक रागिनी, आशीष, त्रिलोक, संगीता, ज्योति वायम, महेंद्र परते सहित एसएसयू बल ने कार्रवाई में भूमिका निभाई। वही खीरसारु की इस वारदात ने कई सवाल खड़े किए हैं-आखिर युवक-युवती को किस हद तक प्रताड़ित किया गया और घटना की पूरी सच्चाई क्या है? फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में तीन आरोपी हैं और मामले की विवेचना जारी है।

सेवा भारती कन्या छात्रावास में रोटरी क्लब मंडला मेकल का स्वास्थ्य शिविर

सेवा भारती कन्या छात्रावास में रोटरी क्लब मंडला मेकल का स्वास्थ्य शिविर, 65 छात्राओं का हुआ परीक्षण



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। रोटरी क्लब मंडला मेकल द्वारा सेवा भारती कन्या छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। छात्रावास में निवासरत लगभग 65 छात्राओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। 65 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण 5 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं जांच व दवाइयां जरूरत के अनुसार व्यवस्था विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने की छात्राओं की जांच शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. श्रुति बाजपेयी, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अर्चना द्विवेदी, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका धावर्डे, जनरल फिजिशियन डॉ. हेमा पाटिल एवं ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. चैतन्य धावर्डे ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने छात्राओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सुझाव दिए। छात्राओं को आवश्यकता के अनुसार आगे की जांच और उपचार के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। **जरूरत पड़ी तो रोटरी क्लब कराएगा पैथोलॉजी और ब्लड टेस्ट**- स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान कुछ छात्राओं को चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार पैथोलॉजी एवं ब्लड टेस्ट कराने की सलाह दी गई। इन जांचों को रोटरी क्लब मंडला मेकल के माध्यम से करवाया जाएगा, ताकि आर्थिक कारणों से किसी छात्रा की आवश्यक स्वास्थ्य जांच प्रभावित न हो।

आवश्यक दवाइयों का भी किया गया वितरण- चिकित्सकों के परामर्श के आधार पर छात्राओं को आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान जो आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं हो सकीं, उन्हें भी रोटरी क्लब द्वारा उपलब्ध कराकर संबंधित छात्राओं तक पहुंचाया जाएगा।

इलाज के साथ स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक- स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, दांत एवं मुख स्वास्थ्य, त्वचा की देखभाल, हड्डियों एवं मांसपेशियों के स्वास्थ्य तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जागरूक किया। छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, किसी समस्या को नजरअंदाज नहीं करने तथा समय-समय पर आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराने के महत्व की जानकारी भी दी गई। दंत स्वास्थ्य त्वचा स्वास्थ्य सामान्य स्वास्थ्य हड्डी एवं मांसपेशियां जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सेवा भावना का हिस्सा

इस अवसर पर रोटरी क्लब मंडला मेकल के अध्यक्ष रोटेरियन दिलीप तिवारी एवं सचिव रोटेरियन अभिषेक बाजपेयी ने कहा कि जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना रोटरी क्लब की सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान कर उचित उपचार की दिशा में कदम उठाया जा सकता है। **सेवा भारती परिवार का रहा महत्वपूर्ण सहयोग**- शिविर के सफल आयोजन में सेवा भारती परिवार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। व्यवस्थाओं एवं सक्रिय सहभागिता के चलते स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। **रोटरी क्लब के सदस्यों ने संभाली व्यवस्थाएं**-इस अवसर पर रोटरी क्लब मंडला मेकल के सदस्य रोटेरियन डॉ. विजेंद्र चौरसिया, रोटेरियन इंद्रेश खरया, रोटेरियन गीता कल्पीवार, रोटेरियन राजा शुक्ला, रोटेरियन सुदीप चौरसिया एवं रोटेरियन सुरेश चौधरी उपस्थित रहे और शिविर के संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। **आगे भी जारी रहेंगे स्वास्थ्य और जनसेवा के कार्यक्रम**- रोटरी क्लब मंडला मेकल ने भविष्य में भी जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के लिए स्वास्थ्य और जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। क्लब का कहना है कि समय पर स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक जांच और चिकित्सकीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराना समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

5 साल से अधिक अंजनियां में सेवा के बाद चौकी एएसआई राजेश सराठे को विदाई



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पुलिस चौकी अंजनियां में पांच साल से अधिक समय तक सेवाएं देने वाले एएसआई राजेश सराठे का बालाघाट स्थानांतरण होने पर चौकी परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। चौकी प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में श्री सराठे के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों और उनके व्यवहार को याद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कहा कि लंबे समय तक अंजनियां में सेवाएं देने के दौरान राजेश सराठे ने क्षेत्र के लोगों के साथ समन्वय बनाकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया। विदाई के अवसर पर चौकी परिसर में भावुक माहौल रहा। जानकारी के अनुसार विदाई समारोह कार्यक्रम में (एएसआई) राजेश सराठे ने कहा कि अंजनियां में पांच वर्ष से अधिक समय तक कार्य करने के दौरान क्षेत्र के लोगों से मिले प्यार स्नेह और सहयोग को वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि अंजनियां में उन्हें काफी कुछ सीखने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला ' जो आगे भी उनके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि कर्तव्य निर्वहन के दौरान जाने-अनजाने यदि उनके व्यवहार से किसी को ठेस पहुंची हो तो इसके लिए वे क्षमा चाहते हैं। साथ ही उन्होंने सभी लोगों के सहयोग स्नेह और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। स्थानांतरण के बाद अब राजेश सराठे बालाघाट जिले में सेवाएं देंगे। वहीं, अंजनियां चौकी में उनके कार्यकाल के दौरान जुड़े पुलिसकर्मियों और क्षेत्र के लोगों ने उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in